RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:28 ता. 21 जूलाई 2023, शुक्रवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

सदन में सार्थक चर्चा कर आम लोगों की समस्याओं का हल निकालें: बिरला

नयी दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मानसून सत्र शुरू होने से पहले सभी दलों के सदस्यों से आज अपील की कि वे सदन में जनहित एवं देशहित के मुद्दों पर सार्थक चर्चा कर आम लोगों की समस्याओं का हल निकालें। बिरला ने अपने ट्विट में कहा, संसद का मॉनसून सत्र आज प्रारंभ हो रहा है। लोक सभा में सभी दलों के नेताओं और माननीय सदस्यों से आग्रह है कि देशहित तथा जनहित के विषयों पर सदन में सार्थक संवाद हो। चर्चा के जरिए आमजन की कठिनाइयों का समाधान कर हम देश को प्रगति पथ पर गतिमान करें। जनमानस की भी हमसे यही अपेक्षा है। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से 11 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान करीब 31 विधेयक पेश किये जाने हैं। इनमें दिल्ली की प्रशासनिक व्यवस्था संबंधी अध्यादेश का स्थान लेने वाला विधेयक शामिल है।

मणिपुर में महिलाओं के साथ यौन हिंसा की निंदा की ईरानी ने

नयी दिल्ली। केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने मणिपुर में दो महिलाओं के साथ यौन हिंसा की कड़ी निंदा की है और इन्हें अमानवीय बताया है। श्रीमती ईरानी ने बुधवार देर रात एक ट्वीट में कहा कि मणिपुर में दो महिलाओं के साथ हिंसा के वीडियो सामने आए हैं। यह निंदनीय और अमानवीय हैं। केंद्रीय मंत्री ने ट्वीट ने बताया है कि उन्होंने मणिपुर के मुख्यमंत्री ए. बीरेन सिंह से बात की है। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में पूरी कार्रवाई करने और दोषियों को सजा देने का आश्वासन दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि मामले की जांच चल रही है और अपराधियों को न्याय के समक्ष लाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। गौरतलब है कि मणिपुर में जारी हिंसा के बीच सोशल मीडिया पर दो महिलाओं को नग्न घुमाने के वीडियो वायरल हो रहे हैं।

मणिपुर पर बोले पीएम मोदी-

पीड़ा और गुस्से से भरा है मेरा दिल, पूरी शक्ति और सख्ती से होगा ऐक्शन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के मॉनसून सत्र को की शुरुआत से पहले आज मीडिया से बात की। उन्होंने मनिपुर की घटना को शर्मनाक बताया उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी गुनहगार को बख्शा नहीं जाएगा।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मणिपुर में दो महिलाओं के साथ हुई गैंगरेप की घटना को शर्मनाक बताया है। साथ ही उन्होंने कठोर कार्रवाई की बात भी कही है। संसद के मॉनसून सत्र की शुरुआत से पहले आज मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी गुनहगार को बख्शा नहीं जाएगा।

पीएम मोदी ने कहा, मणिपुर की जो घटना सामने आई है वो किसी भी सभ्य समाज के लिए ये शर्मसार करने वाली घटना है। गुनाह करने वाले कितने और कौन हैं, वो अपनी जगह पर हैं पर बेइज्जती पूरे देश की हो रही है। मैं सभी मुख्यमंत्रियों से आग्रह करता हूं कि वो अपने राज्यों में कानून व्यवस्थाओं को और मजबूत करें। खासतौर पर हमारी मातओं-बहनों की रक्षा के लिए कठोर से कठोर कदम उठाए। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दो महिलाओं के साथ

क्रूरता के हालिया वायरल वीडियो पर मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह से बात की है। मॉनसून सत्र से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मॉनसून सत्र में आप सभी का स्वागत है। सावन का पवित्र मास चल रहा है। सावन मास पवित्र संकल्प और पवित्र कार्यों के लिए बहुत ही उत्तम माना जाता है। मुझे विश्वास है कि सभी सांसद मिलकर इस सत्र का जनहित में सर्वाधिक उपयोग करेंगे। संसद और हर सांसद की जो जिम्मेवारी है, ऐसे अनेक कानूनों को बनाना और उसपर चर्चा करना बहुत आवश्यक है। चर्चा जितनी पैनी होती है उतना जनहित में दूरगामी परिणाम देने वाले अच्छे निर्णय होते हैं।

आम आदमी पार्टी ने राज्यसभा में कार्य स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा में सांसद संजय सिंह ने नियम 267 के तहत सदन में कार्य स्थगन प्रस्ताव का नोटिस देकर मणिपुर की स्थिति पर चर्चा कराने की मांग की है।

श्री सिंह ने अपने नोटिस में मणिपुर की स्थिति को चिंताजनक बताते हुए सदन में इस पर चर्चा कराने की मांग की है। उन्होंने अनुरोध किया है कि सदन में सभी कार्यों को रोककर इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा की जानी चाहिए। इससे पहले द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के सदस्य तिरुचि शिवा भी तमिलनाडु में राज्यपाल की भूमिका पर सवाल उठाते हुए इस बारे में कार्य स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दे चुके हैं। इसे देखते हुए मानसून सत्र के पहले दिन ही सदन में हंगामे के आसार बनते दिख रहे हैं, क्योंकि कांग्रेस की ओर से भी मणिपुर के मुद्दे पर कार्य स्थगन प्रस्ताव का नोटिस देने की बात पहले ही कह दी गई थी। द्रमुक सदस्य ने बुधवार को राज्यसभा के सभापति को लिखे पत्र में कहा है कि तमिलनाडु में राज्यपाल निर्वाचित सरकार के अधिकारों का अतिक्रमण कर रहे हैं। उन्होंने प्रस्ताव में नियम 267 के तहत सदन में सभी विधयी कार्य रोक कर इस मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग की है।

विपक्ष की पार्टियों के एक मंच पर आना देशहित के लिए शुभ संकेत-गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने देश में विपक्ष की पार्टियों के एक मंच पर आने पर खुशी जताते हुए कहा है कि यह देश हित के लिए एक शुभ संकेत है।

श्री गहलोत ने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि अब विपक्ष की पार्टियों का एक मंच पर आना संभव हुआ जो देशहित के लिए एक शुभ संकेत है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में लोकतंत्र बचाने एवं संविधान को मजूबत करने के उद्देश्य से बना यह गठबंधन देश के भविष्य की बेहतरी के लिए एक बड़ा कदम साबित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 3500 किलोमीटर भारत जोड़ो यात्रा से देशवासियों का एक संकल्प सामने आया और एक प्रेम, सद्भाव एवं भाईचारे का नया माहौल बना। उन्होंने कहा कि श्री राहुल गांधी ने चार मुद्दे महंगाई, बेरोजगारी, अमीर-गरीब के बीच बढ़ती खाई एवं

बढ़ती हिंसा प्रमुखता से उठाए थे। इस यात्रा को तमाम राजनीतिक दलों ने पार्टी लाइन से ऊपर उठकर समर्थन दिया क्योंकि ये सारे मुद्दे देश के सामने की चुनौतियों को सामने रख रहे थे।

उन्होंने कहा 'जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया।'

मणिपुर को लेकर संवैधानिक जिम्मेदारी भूल गए मोदी: मल्लिकार्जुन खडगे

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे कहा है कि मणिपुर जल रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी सारी संवैधानिक जिम्मेदारी भूल कर मणिपुर की स्थिति पर कुछ भी बोलने को तैयार नहीं हैं। खडगे ने कहा कि मानवता और संवेदनशीलता अगर मरी नहीं है, तो मणिपुर को लेकर प्रधानमंत्री को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए देश को वहां की असली स्थिति बतानी चाहिए। उन्होंने कहा कि मणिपुर में मानवता मर गयी है। केंद्र की मोदी सरकार और

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मणिपुर के नाजुक सामाजिक ताने-बाने को नष्ट करके लोकतंत्र और कानून के शासन को भीड़तंत्र में बदल दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री को संबोधित करते हुए कहा, नरेंद्र मोदी जी, भारत आपकी चुप्पी को कभी माफ नहीं करेगा। यदि आपकी सरकार में ज़रा भी विवेक या शर्म बची है, तो आपको संसद में मणिपुर के बारे में बोलना चाहिए और केंद्र तथा राज्य दोनों में अपनी दोहरी अक्षमता के लिए दूसरों को दोष दिए बिना देश को बताना चाहिए कि क्या हुआ। आपने अपनी संवैधानिक ज़िम्मेदारी छोड़ दी है। संकट की इस घड़ी में हम मणिपुर के लोगों के साथ खड़े हैं। इससे पहले कांग्रेस के संचार विभाग की प्रभारी जयराम रमेश ने कहा, मणिपुर में बड़े पैमाने पर जातीय हिंसा को भड़के 78 दिन हो गए हैं। दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर के घुमाने और कथित तौर पर उनके साथ बलात्कार की भयावह घटना के 77 दिन हो गए हैं। अज्ञात लोगों के ख़िलाफ़ प्राथमिकी दर्ज़ किए जाने के 63 दिन बाद भी अपराधी अभी तक पकड़े नहीं गए हैं। राज्य में इंटरनेट बंद होने के कारण देश के बाकी राज्यों के लोगों का ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था कि मणिपुर में इतनी भयानक घटना घटी है।

'सरकार चुप रही तो हम करेंगे कार्रवाई', मणिपुर में दरिंदगी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, दिया अल्टीमेटम

नई दिल्ली। मणिपुर में दो महिलाओं को नग्न कर घुमाने का मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। शीर्ष न्यायालय ने घटना पर स्वत- संज्ञान लिया है और सुनवाई की तारीख 28 जुलाई तय की है। इस पूरी घटना को लेकर कोर्ट ने केंद्र सरकार से रिपोर्ट भी मांगी है और समय रहते कार्रवाई करने की हिदायत दी है। इधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी घटना पर पहली बार प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिया है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि दो महिलाओं को नग्न कर घुमाए जाने वीडियो को लेकर व्यथित

हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने भी सरकार से कड़े शब्दों में कार्रवाई करने के लिए कहा है। कोर्ट का कहना है कि इस तरह की घटना बिल्कुल अस्वीकार्य है और यह बेहद दुखद है। सुप्रीम कोर्ट ने इसे संविधान और मानवाधिकारों का उल्लंघन बताया है। साथ ही चेतावनी भी दे दी है कि अगर सरकार ने कुछ नहीं किया, तो हम कार्रवाई करेंगे। अदालत ने केंद्र और राज्य सरकार से रिपोर्ट भी तलब की है। कोर्ट का कहना है कि लोकतंत्र में महिलाओं को हिंसा के साधन की तरह इस्तेमाल किया जाना बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है।

'कुर्सी है तुम्हारा जनाजा तो नहीं?' मणिपुर की घटना पर भड़के कुमार विश्वास

नई दिल्ली। मणिपुर में दो महिलाओं को नग्न कर सड़क पर घुमाने का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। इस घटना से पूरा देश आक्रोशित है। लोग इस मसले पर मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। मणिपुर में सामने आई इस वीभत्स घटना पर आम आदमी पार्टी के पूर्व नेता और कवि कुमार विश्वास की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने ट्वीट कर इस मामले में मुख्यमंत्री बीरेन सिंह पर हमला बोला है। लिखा- अगर कुछ कर नहीं सकते तो उतर क्यों नहीं जाते...

हिंसाग्रस्त राज्य मणिपुर में दो

महिलाओं से दरिंदगी से पूरा देश स्तब्ध है। कुकी समुदाय की दो महिलाओं को नग्न कर सड़क पर घुमाने के मामले में आज सड़क से संसद तक हंगामे के आसार हैं। आरोप है कि भीड़ द्वारा उनका गैंगरेप भी किया गया। घटना 4 मई की बताई जा रही है। इस घटना से पूरा देश गुस्से से उबल रहा है। मामले में सीएम बीरेन सिंह ने जांच के आदेश दे दिए हैं और दोषियों को कड़ी सजा देने का वादा किया है। लेकिन, इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर मणिपुर सरकार के खिलाफ लोगों भड़ास निकाल रहे हैं। सीएम से इस्तीफे की मांग की जा रही है।

इस घटना से आक्रोशित कवि कुमार विश्वास की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने मणिपुर सीएम एन बीरेन सिंह को टैग करते हुए उन पर हमला बोला है। कवि कुमार विश्वास ने ट्वीट किया है, कुर्सी है तुम्हारा ये जनाज़ा तो नहीं है ? कुछ कर नहीं सकते तो उतर क्यों नहीं जाते ?

सोशल मीडिया पर वीडियो बैन

सरकार ने ट्विटर और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को आदेश जारी कर मणिपुरी की दो महिलाओं को नग्न घुमाने के वायरल वीडियो को शेयर न करने का निर्देश दिया है। एएनआई ने सरकारी सूत्रों के हवाले से बताया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए भारतीय कानूनों का पालन करना अनिवार्य है क्योंकि मामले की अभी जांच चल रही है।

सोते रहे लोग और भूस्खलन में दब गया रायगढ़ का गांव, मलबे से निकले 5 शव; अब भी 50 लोग दबे

रायगढ़। महाराष्ट्र के कई जिलों में भीषण बारिश से हालात खराब हैं। मुंबई में भी भारी बारिश का दौर जारी है। इस बीच बारिश से सबसे ज्यादा प्रभावित रायगढ़ जिले में भीषण हादसा हुआ है। बुधवार की रात को जिले की खालापुर तहसील का इरशालवाड़ी गांव भूस्खलन से धंस गया। यह हादसा उस वक्त हुआ, जब लोग गहरी नींद में सो रहे थे। इसके चलते लोगों को भागने का मौका तक नहीं मिला और घर जमीन में समा गए। फिलहाल बचाव कार्य तेजी से चल रहा है और अब तक 6 लोगों के शव निकाले जा चुके हैं। मरने वालों का आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है। रात में हादसा होने की वजह से बचाव कार्य देरी से शुरू हुआ और एनडीआरएफ टीम 2 बजे पहुंच सकी, जबकि हादसा 11 बजे के करीब हुआ था।

यह हादसा इतना भीषण था कि बचाव में जुटे एक शख्स की भी हार्टअटैक से मौत हो गई। कई लोग जख्मी भी हैं, जिन्हें अस्पताल में एडमिट कराया गया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी फिलहाल रायगयढ़ के दौरे पर हैं और राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। इसके अलावा नए बने डिप्टी सीएम अजित पवार भी ऐक्टिव हैं और कंट्रोल रूम पहुंचे हैं। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि

अब तक 75 लोगों को बचाया जा चुका है, जो लैंडस्लाइड में दब गए थे। कहा जा रहा है कि गांव में बड़ी संख्या में कच्चे मकान थे, जिसके मलबे में दबने के बाद भी बड़ी संख्या में मौतें नहीं हुईं।

अब भी 50 से ज्यादा लोगों के दबे होने की आशंका

गांव में कुल 160 घर हैं, जिनमें से कुछ को कम नुकसान पहुंचा है। अब भी 50 से ज्यादा लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है, जिन्हें निकालने के लिए अभियान चल रहा है। रायगढ़ जिले में पहले से ही एनडीआरएफ की टीमों को तैनात कर दिया गया था। इसके अलावा लोगों को भी बचाव रखने की एडवाइजरी जारी की गई थी। अब तक जिन लोगों को बचाया गया है, उनमें तीन बच्चे भी शामिल हैं। यह गांव इरसाल किले की तलहटी पर बसा है, जो चौक से 6 किलोमीटर की दूरी पर है। ठाकुर समुदाय के लोगों की ही इस गांव में अधिक आबादी है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक गांव के 90 फीसदी घर बर्बाद हो गए हैं।

सीएम एकनाथ शिंदे मौके पर, बोले- 80 लोग निकाले गए

यह संकट इसलिए और बढ़ गया क्योंकि सुबह एक बार फिर से भूस्खलन होने लगा। इसके चलते बचाव का काम रोक दिया गया। यही नहीं सुबह अंधेरा होने की वजह से भी बचाव कार्य में बाधा आ रही थी। यह हादसा इतना भीषण था कि डर के मामले बड़ी संख्या में लोग जंगल की ओर भाग गए। बचाव में जुटे लोगों का कहना है कि गांव से भागे लोगों के लौटने पर ही पता लगेगा कि कितने लोग दबे हैं। मौके पर पहुंचे सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि 18 से 20 घरों पर भूस्खलन हुआ है। उन्होंने कहा कि अब तक 80 लोगों को निकाला जा चुका है और 5 लोगों की दर्दनाक हादसे में मौत हुई है।

पैरोल पर फिर से जेल से बाहर आएगा गुरमीत राम रहीम

गुरुग्राम । सिरसा डेरा प्रमुख गुरमीत राम रहीम फिर जेल से बाहर आएंगे। हत्या और रेप के आरोपी राम रहीम को फिर पैरोल मिल गई है। राम रहीम को

30 दिन की पैरोल मिली है। 2017 में सजा सुनने के बाद गुरमीत अब तक कुल 6 बार जेल से बाहर आ चुका है। इस साल 21 जनवरी को भी 40 दिन की पैरोल दी गई थी। फिर से सिरसा डेरा प्रमुख जेल से बाहर आएगा। 24 अक्टूबर 2020 को पहली बार हरियाणा सरकार ने बीमार मां से मिलने के लिए यह एक दिन की पैरोल दी थी। बीमार मां से दूसरी बार मिलने के लिए 21 मई 2021 को 1 दिन की पैरोल। 7 फरवरी 2002 को हरियाणा सरकार ने राम रहीम को 21 दिन की पैरोल दी। जून 2022 को राम रहीम को फिर एक महीने की पैरोल दी गई। अक्टूबर 2012 में राम रहीम को एक बार फिर 40 दिनों के लिए पैरोल पर रिहा किया गया। वहीं 21 जनवरी 2003 को डेरा प्रमुख को 40 दिन की पैरोल मिली।

बीएसएफ ने सीमा पर गिराया पाकिस्तानी ड्रोन, 12 करोड़ की हेरोइन बरामद

जोधपुर । बीएसएफ ने भारत पाकिस्तान सीमा पर एक ड्रोन को मार गिराया है, इसके बाद संदिग्ध हेरोइन के पैकेट बरामद किए हैं। यह घटना 19-20 जुलाई 2023 की रात्रि की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार रायसिंहनगर, सेक्टर श्रीगंगानगर से लगी भारत-पाक अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा बल के जवानों को पाकिस्तान की ओर से आ रहे ड्रोन की आवाज सुनाई देने पर जवानों ने तत्काल प्रभाव से पाकिस्तानी ड्रोन पर फायरिंग कर पाकिस्तानी ड्रोन को गिराया। सुबह इलाके की सघन जांच के दौरान इलाके से 3 पैकेट्स संदिग्ध हेरोइन एवं एक पाकिस्तानी ड्रोन बरामद किया गया। इस ऑपरेशन के तहत 3 पैकेट्स संदिग्ध हेरोइन कुल वजन लगभग 2.3 किलोग्राम बरामद की गयी, जिसकी कीमत अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में लगभग 12 करोड़ रुपये आंकी गयी है। सीमा सुरक्षा बल द्वारा बरामद हेरोइन को विस्तृत जांच के लिए सम्बधित एंजेंसी को सुपुर्द किया जायेगा। इससे पूर्व भी पाकिस्तान द्वारा लगातार सीमा पार से ड्रोन द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी के निरंतर नापाक प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन सीमा सुरक्षा बल के सजग व सतर्क जवानों द्वारा उनकी कोशिशों को नाकाम किया चुका हैं।

वंदेभारत एक्सप्रेस में पेशाब करना पड़ा भारी, उठाया छह हजार का नुकसान

भोपाल । मध्यप्रदेश में एक यात्री को वंदे भारत ट्रेन में पेशाब करना भारी पड़ गया है। साथ ही 174 किमी दूर पहुंचकर उसे जुर्माना भी देना पड़ गया। यह अजीबोगरीब मामला भोपाल रेलवे स्टेशन का है जहां एक यात्री को सिंगरौली जाना था। वह हैदराबाद से भोपाल रेलवे स्टेशन पर उतरा था। वह जिस प्लेटफॉर्म पर खड़ा था, वहां इंदौर जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस आकर खड़ी हो गई। यात्री को पेशाब लगी तो वह वंदे भारत एक्सप्रेस की बोगी में घुस गया। इसके बाद टॉयलेट की ओर जाने लगा। टॉयलेट की ओर गया तो कोच का गेट लॉक हो गया। वह पेशाब करने के बाद बाहर आया तो गेट लॉक था और ट्रेन छूट गई। मिली जानकारी के अनुसार यात्री का नाम अब्दुल कादिर बताया जा रहा है। यह पूरी घटना 15 जुलाई की है। हालांकि मामला अब सामने आया है। 32 वर्षीय कादिर सिंगरौली जिले के बैढन का रहने वाला है। हैदराबाद में उसका ड्राई फ्रूट की दुकान है। वह सिंगरौली जाने के लिए 15 जुलाई को भोपाल रेलवे स्टेशन पर उतरा था। सुबह 7.24 बजे वह वंदे भारत एक्सप्रेस में दाखिल हुआ था और 7.25 बजे ट्रेन खुल गई थी। टॉयलेट से निकलने के बाद वह बाहर आया तो ट्रेन खुल गई। साथ ही उसका परिवार भी स्टेशन पर छूट गया। गौरतलब है ?कि भोपाल से खुलने के बाद बीच में यह ट्रेन कहीं रुकती नहीं है। ऐसे में उसकी परेशानी बढ़ गई और ट्रेन में चल रहे टीटीई के पास गया है। कादिर से दो गलती हुई थी, बिना टिकट ही ट्रेन में चढ़ा था। साथ ही खड़ी ट्रेन में टॉयलेट करना गैरकानूनी है। ट्रेन में उसने टीटीई और पुलिसकर्मियों से मदद मांगी लेकिन सभी ने कह दिया कि ट्रेन का गेट केवल ड्राइवर ही खोल सकता है। इसके बाद उसे ड्राइवर के पास जाने से रोक दिया। टीटीई ने ट्रेन में उस पर फाइन लगा दिया। उसे 1020 रुपए जुर्माना देना पड़ा। इसके बाद भोपाल से 174 किमी दूर उज्जैन में जाकर ट्रेन रुकी तो वह उतरा है। इसके बाद वहां से लौटने के लिए उसे साढ़े सात सौ रुपए बस भाड़े में खर्च करना पड़ा है। साथ ही सिंगरौली जाने के लिए जो पूरे परिवार का टिकट था। वह भी कैंसिल करना पड़ा है। कुल मिलाकर कादिर को छह हजार रुपए का चूना लग गया है। दरअसल, कादिर, पत्नी और उसके बच्चे का टिकट दक्षिण एक्सप्रेस के सेकंड एसी में था। ट्रेन छूटने की वजह से वो भी नुकसान उठाना पड़ा है।

इस्कॉन ब्रिज पर हुई दुर्घटना में 9 लोगों की मौत, मृतकों में दो पुलिस जवान और एक होमगार्ड

अहमदाबाद । बुधवार रात 9 लोगों के लिए जीवन की अंतिम रात बन गई। अहमदाबाद के एसजी-हाईवे स्थित इस्कॉन ब्रिज हुए सड़क हादसों में 9 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 6 लोग ऐसे थे, जो पहले से हुई दुर्घटना में लोगों की मदद करने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे थे। जिन्हें तेज रफ्तार जगुआर कार ने कुचल दिया। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के एसजी हाईवे स्थित इस्कॉन ब्रिज पर बुधवार की रात थार कार और बुलडोजर के बीच दुर्घटना हुई थी, जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई थी। घटना के बाद पीड़ितों की मददके लिए कई पुलिस और होमगार्ड समेत कई युवा पहुंच गए। मदद के लिए घटनास्थल पहुंचे लोगों को आभास नहीं था कि वह कुछ क्षणों में काल का ग्रास बन जाएंगे। कुछ ही क्षण बाद 170 से 180 की रफ्तार से आई जगुआर कार ने घटनास्थल पर मदद के लिए आए लोगों को कुचल दिया। जिसमें सभी 6 लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतकों में 2 पुलिस जवान और एक होमगार्ड का जवान भी शामिल है। इस भीषण सड़क हादसे में रौनक राजेशभाई विहलपरा, कृणाल नटुभाई डोडिया डोडिया, अक्षर अनीलभाई पटेल पटेल, निरव रामानुज, अमन अमीरभाई कच्छी, अरमान अनिलभाई वढवानिया, धर्मेंद्रसिंह नारसंग परमार, निलेश मोहनभाई खटिक और जसवंतभाई ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। जानकारी के मुताबिक 23 वर्षीय रौनक विहलपरा, 23 कृणाल कोडिया बोटाद जिले के मूल निवासी थे और अहमदाबाद के थलतेज में पीजी रहकर पढ़ाई करते थे। जबकि 21 वर्षीय अक्षर पटेल भी बोटाद का मूल निवासी था और अहमदाबाद के वस्त्राल में पीजी रह रहा था और कॉलेज में एडमिशन के लिए आया था। 25 वर्षीय अमन कच्छी और 21 अरमान वढवानिया सुरेन्द्रनगर के निवासी थे7 40 वर्षीय धर्मेन्द्रसिंह परमार और जसवंतभाई एसजी-2 पुलिस स्टेशन के कर्मचारी थे। 38 वर्षीय निलेश खटिक शहर के बोडकदेव में होमगार्ड का जवान था।

दुनिया में सबसे ज्यादा लंग्स कैंसर के मरीज

नई दिल्ली । भारत सहित दुनिया के देशों में फेफड़ों के कैंसर के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इससे डब्ल्यूएचओ सहित सभी देशों की सरकारों की चिंता बढ़ गई है। फेफड़े का कैंसर अमेरिका में सबसे अधिक मरीज पाए गए हैं। हालिया जो रिपोर्ट आई है, उसमें 2020 में अनुमानित रूप से एक करोड़ 33 लाख 720 लोगों को कैंसर के कारण मृत्यु का सामना करना पड़ा है। यह आंकड़ा स्तन कैंसर, कोलन और प्रोस्टेट कैंसर से होने वाली मौतों से कहीं ज्यादा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भारत में अभी लंग्स कैंसर के बढ़ते मामलों को लेकर चिंता जताई है। डॉक्टरों का कहना है,कि 2023 में 2.38 लाख से अधिक मरीज इस बीमारी से भारत में पीड़ित होंगे। कैंसर की रोकथाम के लिए वैज्ञानिकों ने गाइडलाइंस भी जारी की है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के शोधकर्ताओं के अनुसार पिछले 10 साल में भारत में फेफड़ों के कैंसर के मामलों में 7 गुना से ज्यादा वृद्धि देखी गई है। वैज्ञानिकों का मानना है, कि समय रहते इसमें सुधार नहीं किया गया,तो मृत्यु दर पर काबू पाना मुश्किल हो सकता है। 45 फ़ीसदी रोगियों मे कैंसर शरीर के अन्य भागों में जब फैल चुका होता है। तब इसके बारे में जानकारी होती है। अत: इस मामले में सावधानी बरतने की जरूरत है।

ज्योतिरादित्य सिंधिया के गृह क्षेत्र में प्रियंका गांधी करेंगी रैली, पहले बेहद करीबी थे दोनों नेता

ग्वालियर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश चुनाव को लेकर कांग्रेस के अभियान को मजबूती देने के लिए पार्टी नेता प्रियंका गांधी वाद्रा शुक्रवार को महत्वपूर्ण ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करेंगी। यह केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का गृह क्षेत्र है। इसे सिंधिया के गढ़ के रूप में भी देखा जाता है। प्रियंका गांधी ने जून में जबलपुर में एक रैली के साथ मध्य प्रदेश में कांग्रेस अभियान की शुरुआत की थी और राज्य की महिलाओं को प्रति माह 1500 रुपये की सहायता सहित पार्टी के पांच वादों की घोषणा की थी। इस साल की शुरुआत में कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस की जीत में प्रियंका गांधी के अभियान और कांग्रेस द्वारा किए गए पांच वादों की अहम भूमिका देखी जा रही है।

कभी बेहद करीबी थे

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, जो भाजपा में जाने से पहले प्रियंका गांधी के साथ कांग्रेस महासचिव थे, गुना से पूर्व सांसद हैं और ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में उनकी पकड़ है। सिंधिया को राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का बेहद करीबी माना जा था। कांग्रेस सूत्रों ने कहा कि प्रियंका गांधी की रैली से कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा और पार्टी के अभियान को ताकत मिलेगी। उन्होंने कहा कि 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने चंबल क्षेत्र में कई सीटें जीती थीं, लेकिन ज्योतिरादित्य सिंधिया के बाहर जाने के बाद कई विधायकों ने पार्टी छोड़ दी। उन्होंने कहा कि इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों में भाजपा को बाहर करने के लक्ष्य के लिए यह क्षेत्र पार्टी के लिए महत्वपूर्ण है।

महिलाओं को लुभाने की कोशिश

ग्वालियर में उनकी रैली कांग्रेस द्वारा परिवार की महिला मुखिया को हर महीने रू.2000 के सीधे हस्तांतरण के लिए कर्नाटक में गृहलक्ष्मी योजना लागू करने की घोषणा के दो दिन बाद हो रही है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि इस योजना को मध्य प्रदेश तक पहुंचाने में प्रियंका गांधी की भूमिका रही है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पिछले महीने प्रियंका गांधी की रैली से दो दिन पहले जबलपुर से एक नई योजना शुरू की थी जिसके तहत राज्य में पात्र महिला को रू.1000 दिए जा रहे हैं। चौहान ने कहा था कि भविष्य में लाडली बहना योजना की राशि बढ़ाई जाएगी। आदिवासी वोटों के लिहाज से जबलपुर का महत्व है और प्रियंका गांधी की रैली को एक ऐसे समुदाय पर ध्यान केंद्रित करने के प्रयास के रूप में देखा गया, जिसे भाजपा भी सक्रिय रूप से लुभा रही है।

पीएम मोदी के ट्विटर पर 9 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर, ओबामा दूसरे नंबर पर

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्विटर पर नौ करोड़ से अधिक फॉलोअर्स हैं। ताजा जानकारी में पीएम मोदी के फॉलोअर्स की संख्या 90 मिलियन (9 करोड़) को पार कर गई है। वह इस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फॉलो किए जाने वाले टॉप 10 हस्तियों में से एक हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के इस समय 37.7 मिलियन फॉलोअर हैं जबकि ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक को दो मिलियन लोग फॉलो करते हैं। वैसे, ट्विटर पर फॉलो किए जाने वाले दुनियाभर के नेताओं में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा सबसे आगे हैं। उनके 132 मिलियन फॉलोअर हैं। प्लेटफॉर्म के मालिक एलन मस्क के बाद ओबामा दूसरे सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले शख्स हैं। वहीं पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ट्विटर पर 86.6 मिलियन फॉलोअर्स हैं। गौरतलब है कि पीएम मोदी 2009 में ट्विटर से जुड़े थे तब वह गुजरात के मुख्यमंत्री थे। उसके बाद लगातार उनके फॉलोअर बढ़ते रहे हैं।

'भाजपा संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ', सिद्धारमैया बोले-

विपक्षी गठबंधन की बैठक को वो हजम नहीं कर पाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में बुधवार को जबरदस्त तरीके से हंगामा हुआ। भाजपा विधायकों ने कई मुद्दे उठाएं और कर्नाटक की कांग्रेस सरकार को घेरने की कोशिश की। हंगामे की वजह से भाजपा के कई विधायकों को विधानसभा से निष्कासित कर दिया गया। इसको लेकर कर्नाटक में राजनीति जबरदस्त तरीके से जारी है। भाजपा लगातार कर्नाटक सरकार और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर निशाना साध रही है। वहीं सिद्धारमैया की ओर से आज विधानसभा में भाजपा पर पलटवार किया गया है। सिद्धारमैया ने साफ तौर पर कहा कि भाजपा विपक्षी गठबंधन की बैठक से घबराई हुई है।

सिद्धारमैया ने क्या कहा

सिद्धारमैया ने विधानसभा में कहा कि मैं भाजपा विधायकों के कृत्य की निंदा करता हूं।' उन्होंने कल स्पीकर की कुर्सी का भी सम्मान नहीं किया। उन्होंने कहा कि वे (भाजपा) भारतीय संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ हैं। जब हम विपक्ष में थे तो हम कभी इस स्तर तक नहीं गिरे। सिद्धारमैया ने दावा किया कि बीजेपी को यह बात हजम नहीं हो रही है कि विपक्षी गठबंधन-इंडिया- की बेंगलुरु में बैठक हुई, इसलिए उन्होंने कल ये ड्रामा शुरू कर दिया। डिप्टी स्पीकर पर कागज फेंकने के मामले में बीजेपी विधायकों के निलंबन पर कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा कि उन्हें राज्यपाल से मिलने दीजिए, वे (बीजेपी विधायक) 'गुंडा' बन गए हैं और वे निराश हैं।'

भाजपा के 10 विधायक निलंबित

कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष यू टी कादर ने बुधवार को सदन में ''अशोभनीय और अपमानजनक आचरण'' के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 10 विधायकों को विधानसभा के शेष सत्र से निलंबित कर दिया। सदन में अराजक दृश्य देखने को मिला जब भाजपा के कुछ विधायकों ने विधेयकों और एजेंडे की प्रतियां फाड़ दीं और उन्हें आसन पर बैठे उपाध्यक्ष पर फेंक दिया। इसके बाद अध्यक्ष ने 10 विधायकों को निलंबित कर दिया। वहीं, विपक्षी दल भाजपा और जनता दल (सेक्युलर) के विधायकों ने विधानसभा सचिव को अध्यक्ष कादर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया।

दिल्ली सरकार की याचिका पर पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ सुनवाई करेगी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र के सेवा अध्यादेश को चुनौती देने वाली दिल्ली सरकार की याचिका को पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ के पास भेज दिया है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने आदेश पारित किया। सीजेआई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली एससी बेंच ने कहा, 5 जजों की बेंच संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने वाले 2019 के फैसले को चुनौती देने की कार्यवाही के समापन के बाद अध्यादेश की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली दिल्ली सरकार की याचिका पर सुनवाई करेगी। दिल्ली सरकार (जीएनसीटीडी) की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ.अभिषेक मनु सिंघवी ने तर्क दिया कि एक संदर्भ का मतलब यह नहीं है कि एक संदर्भ आवश्यक नहीं है क्योंकि इस मुद्दे पर 3-न्यायाधीशों की पीठ द्वारा निर्णय लिया जा सकता है। सिंघवी ने दलील दी कि अध्यादेश अनुच्छेद 239एए के प्रावधानों के खिलाफ है क्योंकि यह निर्वाचित सरकार की शक्तियों को कमजोर करता है। दिल्ली उपराज्यपाल की ओर से पेश वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे ने कहा कि दिल्ली सरकार ने अवैध नियुक्तियां की थीं जिन्हें उपराज्यपाल ने समाप्त कर दिया।

मणिपुर में दो महिलाओं को नग्न घुमाने और गैंगरेप के मामले में एक गिरफ्तार

- सीएम ने कहा आरोपियों को फांसी दिलाने की कोशिश होगी

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर पुलिस ने थौबल जिले में 4 मई को भीड़ द्वारा दो महिलाओं को नग्न घुमाने और उनके साथ गैंगरेप की भयावह घटना के संबंध में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने कहा, राज्य सरकार आरोपियों के लिए मौत की सजा पर विचार करेगी। मामले की गिरफ्तारी की पुष्टि कर गृह विभाग देख रहे सीएम बीरेन सिंह ने कहा कि फिलहाल जांच चल रही है और उनकी सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि सभी अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, इसमें मृत्युदंड की संभावना पर भी विचार किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा, उन दो महिलाओं के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं, जिनके साथ बेहद अपमानजनक और अमानवीय कृत्य किया गया, जैसा कि वीडियो में दिखाया गया है। वीडियो सामने आने के बाद घटना का संज्ञान लेकर मणिपुर पुलिस हरकत में आई और गुरुवार सुबह पहली गिरफ्तारी की। इस बीच, एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने कहा कि बुधवार को घटना का वीडियो सामने आने के तुरंत बाद, सेकमाई पुलिस स्टेशन में अज्ञात हथियारबंद बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर अपराधियों को पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी शुरू की गई। पुलिस अधिकारी ने बताया, राज्य पुलिस दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। मणिपुर पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों द्वारा आसपास के जिलों में भी तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

4 मई की घटना जातीय हिंसा भड़कने के ठीक एक दिन बाद हुई, जिसमें अब तक सैकड़ों लोग मारे गए हैं और हजारों लोगों को अपने घरों से विस्थापित होने के लिए मजबूर होना पड़ा है। इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम (आईटीएलएफ) के मुताबिक, दोनों महिलाओं को नग्न घुमाने के बाद धान के खेत में उनके साथ सामूहिक बलात्कार भी किया गया। फोरम ने कहा कि तीन मई के बाद से कुकी आदिवासियों पर हुए अत्याचार के सबूत लगातार सामने आ रहे हैं।

वीडियो में मैतेई की एक बड़ी भीड़ दो कुकी-जो आदिवासी महिलाओं को सामूहिक बलात्कार के लिए धान के खेत की ओर नग्न अवस्था में ले जाती हुई दिखाई दे रही है। गिन्जा वुअलज़ोंग ने बयान में कहा, 4 मई को हुआ घृणित दृश्य, पुरुषों को असहाय महिलाओं के साथ छेड़छाड़ करते हुए दिखाता है, जो रोती हैं और छोड़ने की गुहार लगाती हैं। सामूहिक बलात्कार बी फोनोम गांव की सीमा के भीतर हुआ था, जिस जला दिया गया था। उन्होंने दावा किया कि उसी गांव में भीड़ ने एक अधेड़ और एक किशोर की पीट-पीट कर हत्या कर दी।

पहलवान यौन उत्पीड़न मामले में बृजभूषण शरण सिंह को मिली बड़ी राहत, कोर्ट ने दी सशर्त जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने कई पहलवानों की शिकायतों के आधार पर दर्ज यौन उत्पीड़न मामले में भारतीय कुश्ती महासंघ के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह और महासंघ के सहायक सचिव विनोद तोमर सिंह को नियमित जमानत दे दी है। कोर्ट की ओर से सशर्त जमानत दी गई है। कोर्ट ने कहा कि हमने कुछ शर्तें लगाई हैं। आरोपी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शिकायतकर्ताओं या गवाहों को प्रभावित नहीं करेगा। वह अदालत की अनुमति के बिना देश नहीं छोड़ेंगे। कृपया सुनिश्चित करें कि सभी शर्तों का ईमानदारी से पालन किया जाए। बृज भूषण को 25000 रुपये का मुचलका भरने पर जमानत मिलेगी। मामले की अगली सुनवाई 28 जुलाई को होगी। इससे पहले न्यायाधीश ने आरोपी और अभियोजन पक्ष के वकीलों के साथ-साथ शिकायतकर्ताओं की दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था। सुनवाई के दौरान, दिल्ली पुलिस का प्रतिनिधित्व कर रहे सरकारी वकील ने अदालत से कहा कि आरोपियों पर कानून के मुताबिक मुकदमा चलाया जाए और राहत दिए जाने पर कुछ शर्तें लगाई जाएं। जब अदालत ने अभियोजक से पूछा कि क्या वह जमानत याचिका का विरोध कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा, 'मैं न तो विरोध कर रहा हूं और न ही समर्थन कर रहा हूं।' उन्होंने अदालत से कहा, 'आवेदन को कानून और उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुसार निपटाया जाना चाहिए।'

राजस्थान: मंत्री खाचरियावास के भतीजे की दंबगई...होटल में रुके अतिथि से की मारपीट

-मारपीट करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में गहलोत सरकार के मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास के भतीजे हर्षदीप पर कथित तौर पर नशे की हालत में जयपुर के एक होटल में तोड़फोड़ करने का आरोप लगाया गया था। होटल के सीसीटीवी वीडियो में यह घटना कैद हो गई है, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। होटल मालिक अभिमन्यु सिंह के अनुसार, परेशानी तब शुरू हुई जब हर्षदीप और पांच-छह अन्य लोगों का एक समूह रात करीब 10-15 बजे नशे की हालत में होटल पहुंचे। सिंह ने दावा किया कि हर्षदीप की होटल में एक साथी अतिथि के साथ बहस हुई थी, जिसके बाद समूह ने होटल के कर्मचारियों से प्रत्येक कमरे को खोलने और उस अतिथि की जांच करने की मांग की। सिंह ने बताया कि यह हमारी होटल नीति के खिलाफ है...अतिथि सुरक्षा हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात है। हमने विवरण साझा करने से इनकार कर दिया। बाद में उन्होंने लगभग 20-25 लोगों को बुलाया जो होटल की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने में शामिल थे। उन्होंने कहा कि हमारे फ्रंट डेस्क...रेस्तरां को हाईजैक कर लिया गया और कर्मचारियों को आपत्ति जताने पर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई। सिंह ने कहा कि जब उन्होंने पुलिस को आपातकालीन नंबर 100 पर कॉल किया, तब केवल दो पुलिसकर्मी पहुंचे। उन्होंने उस मेहमान की तलाश की जिसके साथ हर्षदीप की बहस हुई थी...

उन 25 लोगों ने पुलिस के सामने उस मेहमान की पिटाई की जो हमारे सीसीटीवी में भी रिकॉर्ड हुआ था।

होटल मालिक ने दावा किया कि पुलिस बाद में अतिथि को ले गई, जबकि 25 लोगों का गिरोह बुधवार सुबह 3-4 बजे तक उनके होटल परिसर में रुका रहा। वे शराब, खाना मांगते रहे और बिल भी नहीं चुकाया... बाद में वे सबूत नष्ट करने के लिए बेसमेंट में सर्वर रूम में चले गए, जहां सभी सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध थे, लेकिन हम किसी तरह इन सीसीटीवी फुटेज को बचाने में कामयाब रहे। इस बीच, जयपुर में वैशाली पुलिस स्टेशन के एसएचओ शिव नारायण ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। उन्होंने कहा कि शिकायत के आधार पर जांच की जाएगी।

सीमा हैदर पर विदेश मंत्रालय की आई प्रतिक्रिया, जानें अरिंदम बागची ने क्या कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि उसे पाकिस्तानी नागरिक सीमा हैदर के मामले की जानकारी है, जो अपने साथी के साथ रहने के लिए भारत आ गई थी, जिससे उसकी मुलाकात गेमिंग प्लेटफॉर्म पबजी पर हुई थी। 4 जुलाई को गौतमबुद्ध नगर पुलिस ने हैदर को अपने चार बच्चों के साथ नेपाल के रास्ते भारत में अवैध रूप से प्रवेश करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। उसके साथी सचिन मीना और उसके पिता को अवैध अप्रवासियों को शरण देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। चार दिन बाद, उसे और उसके साथी को गौतमबुद्धनगर जिला अदालत ने जमानत दे दी।

विदेश मंत्रालय ने क्या कहा

सीमा हैदर से जुड़े सवाल के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि हमें मामले की जानकारी है। उसे अदालत में पेश किया गया और अब वह जमानत पर बाहर है। मामले की जांच चल रही है और आगे जानकारी आएगी तो हम आपको देंगे। फिलहाल मैं बस इतना ही कह सकता हूं। वहीं, यूपी पुलिस ने कहा कि सीमा और मीना की मुलाकात इसी साल मार्च में काठमांडू के एक होटल में हुई थी। इस जोड़े ने झूठे नाम से चेक-इन करने के बाद एक होटल के कमरे में सात दिन बिताए थे। सीमा हैदर और उसके प्रेमी से इस सप्ताह की शुरुआत में यूपी एटीएस ने पूछताछ की है।

उत्तर प्रदेश पुलिस ने क्या कहा

उत्तर प्रदेश के विशेष पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने कहा कि जबतक 'हमारे पास पर्याप्त सबूत न हो' तब तक यह कहना उचित नहीं होगा कि मई में अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने वाली और नोएडा में अपने साथी के साथ रहने वाली पाकिस्तानी नागरिक सीमा हैदर एक जासूस है। जब कुमार से पूछा गया कि क्या सीमा को निर्वासित किया जाएगा, तो उन्होंने सीधा जवाब देने से इनकार कर दिया। उन्होंने भारत-नेपाल सीमा पर किसी भी सुरक्षा चूक से इनकार किया, जहां से सीमा ने भारत में प्रवेश किया था। जमानत के बाद से सीमा मीडिया से बातचीत में कह रही है कि वह नेपाल के रास्ते भारत में दाखिल हुई और सचिन के साथ रहने के लिए बस में नोएडा आई।

इराक में कुरान जलाने पर मचा बवाल, स्वीडन के दूतावास को किया आग के हवाले

बगदाद । कुरान जलाए जाने पर स्वीडन में बवाल मचा हुआ है, वहां दूतावास को आग के हवाले कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार दुनियाभर में भड़का विरोध प्रदर्शन इराक में हिंसक रुप ले रहा है। राजधानी बगदाद में प्रदर्शनकारियों ने गुरुवार को स्वीडन के दूतावास को ही जला दिया। बड़ी संख्या में ये प्रदर्शनकारी दूतावास की दीवार को पार करके घुस गए और दूतावास की इमारत को आग लगा दी। इस बीच स्वीडन ने कहा है कि इस हिंसक घटना में उनके दूतावास के कर्मचारी सुरक्षित हैं। वहीं स्वीडन ने इराक सरकार से मांग की है कि वह उनके दूतावास को पूरी सुरक्षा मुहैया कराए। बताया जा रहा है कि गुरुवार को हुए इस प्रदर्शन के लिए चर्चित मौलाना मुक्तदा अल सद्र के समर्थकों ने आह्वान किया था। अल सद्र इराक के सबसे प्रभावशाली मौलानाओं में से एक है। बताया जा रहा है कि स्वीडन में कुरान की एक प्रति जलाने से नाराज प्रदर्शनकारियों ने गुरुवार तड़के बगदाद में स्वीडिश दूतावास पर धावा बोल दिया और परिसर में घुसकर आगजनी की। प्रदर्शन से संबंधित ऑनलाइन वीडियो में प्रदर्शनकारी दूतावास पर प्रभावशाली इराकी शिया मौलवी और राजनेता मुक्तदा अल-सद्र की तस्वीरों वाले झंडे और निशान लहराते हुए दिख रहे हैं। वीडियो में दर्जनों लोग परिसर की दीवार पर चढ़ते हुए दिख रहे हैं और उनकी आवाजें सुनाई दे रही हैं तथा वे सामने के दरवाजे को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। एक अन्य वीडियो में प्रदर्शनकारी आगजनी करते नजर आ रहे हैं। बाद में अन्य लोगों ने दूतावास के बाहर सुबह की नमाज भी पढ़ी। हालांकि इराक के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर हमले की निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने कहा ?कि इराक की सरकार ने सक्षम सुरक्षा अधिकारियों को तत्काल जांच करने और घटना की परिस्थितियों को उजागर करने तथा इस कृत्य के अपराधियों की पहचान कर उन्हें कानून के अनुसार जवाबदेह ठहराने के निर्देश दिये हैं।

फीफा महिला वर्ल्ड कप शुरु होने से पहले गोलीबारी में दो की मौत

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में महिला फुटबॉल वर्ल्ड कप शुरु होने से पहले हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक बंदूकधारी हमलावर ने मध्य ऑकलैंड के एक कंस्ट्रक्शन साइट पर गोलीबारी की, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि उन्होंने हमलावर को भी मार गिराया है। इस घटना में 6 लोग घायल भी हो गए। यह हमला महिला फीफा विश्व कप के उद्घाटन मैच से ठीक 12 घंटे पहले हुई। इस मामले में ऑकलैंड पुलिस ने बताया कि बंदूकधारी हमलावर सुबह करीब 7:30 बजे (स्थानीय समयानुसार) लोअर क्रीन स्ट्रीट पर एक मुख्य रेलवे स्टेशन और फ़ेरी टर्मिनल के पास एक कंस्ट्रक्शन साइट में घुस गया और इमारत के ऊपर आते ही उसने गोलियां चलानी शुरू कर दीं। पुलिस ने बताया कि इस दौरान हमलावर भी मारा गया है। न्यूजीलैंड पुलिस ने ट्विटर पर कहा कि आज सुबह ऑकलैंड के सीबीडी में एक निर्माण स्थल पर हुई एक गंभीर घटना पर काबू पा लिया है। कई लोगों के घायल होने की सूचना मिली है और इस स्तर पर, हम पुष्टि कर सकते हैं कि दो लोगों की मौत हो गई है। हमलावर भी मारा गया है। इस घटना पर न्यूजीलैंड के प्रधान मंत्री क्रिस हिपकिंस ने कहा कि महिला विश्व कप गुरुवार को अनुसार शुरू होने जा रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा को कोई खतरा नहीं है। गोलीबारी के लिए कोई राजनीतिक मोटिव नहीं दिखता।

भारतीय-अमेरिकी जोड़े पर धोखाधड़ी, जबरन श्रम कराने का आरोप

न्यूयॉर्क । एक भारतीय-अमेरिकी जोड़े पर कर्मचारी से जबरन श्रम कराने सहित अन्य कई आरोप लगाए गए हैं। जिसमें कर्मचारी के दस्तावेजों को जब्त करना, उसे न्यूनतम वेतन पर नौकरी पर रखना आदि शामिल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रिचमंड में एक संघीय जूरी ने बुधवार को 30 वर्षीय हरमनप्रीत सिंह और 42 वर्षीय कुलबीर कौर के खिलाफ कुल छह आरोप लगाए। आरोपों में जबरन श्रम कराने, वित्तीय लाभ के लिए विदेशी आश्रय, दस्तावेज़ जब्त करना सहित धोखाधड़ी के कई आरोप शामिल हैं। अदालत के दस्तावेजों के अनुसार, मार्च 2018 और मई 2021 के बीच, हरमनप्रीत और कुलबीर ने कथित तौर पर पीड़ित को अपने स्टोर पर श्रम और सेवाएं प्रदान करने के लिए मजबूर किया। इस मामले में न्याय विभाग ने कहा कि पीड़ित ने कैशियर के रूप में काम किया, भोजन तैयार किया, सफाई की और स्टोर को संभाले रखा। अभियोग में आरोप लगाया गया कि दंपति ने पीड़ित के आव्रजन दस्तावेजों को जब्त कर लिया और उसका शारीरिक शोषण किया। इतना ही नहीं उसे रहने की खराब स्थिति दी गई, और कम पैसे देकर लंबे समय तक काम करवाया। अभियोग में आगे आरोप लगाया गया है कि प्रतिवादियों ने वित्तीय लाभ के लिए पीड़ित का वीजा समाप्त होने के बाद उसे शरण दी। गौरतलब है कि यहां जबरन श्रम के आरोप में अधिकतम 20 साल की जेल का प्रावधान है। जिला अदालत अमेरिकी दिशानिर्देशों के अनुसार सजा का निर्धारण करेगी।

अल-शबाब के 30 आतंकवादी ढेर, सोमाली सेना ने की कार्रवाई

मोगादिशू । सोमाली राष्ट्रीय सेना ने सीधी मुठभेड़ में 30 आतंकवादियों को मार गिराया है। जानकारी के अनुसार देश के मध्य भाग शबेले क्षेत्र में एक भीषण लड़ाई के दौरान अल-शबाब के 30 आतंकवादियों को मार गिराया है। सेना के अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सूचना उप मंत्री अब्दिरहमान यूसुफ अल-अदाला ने बुधवार को बताया कि आतंकवादियों के खिलाफ सैन्य हमला इसलिए किया गया क्योंकि वे हमले की साजिश रच रहे थे। अल-अदाला ने कहा कि हमारे विशेष बलों, दानब और गोर-गोर इकाइयों ने आज सुबह अल-शबाब आतंकवादियों के खिलाफ एक सफल अभियान चलाया। बलों ने हथियार और अन्य सैन्य उपकरण भी बरामद किए और आतंकवादी ठिकानों को नष्ट कर दिया। उन्होंने कहा कि विशिष्ट बल अभी भी अल-शबाब आतंकवादियों का पीछा कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि सेना की ओर से कोई हताहत हुआ है या नहीं। अल-शबाब आतंकवादियों ने इस सैन्य हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

पाकिस्तानी शांति दूत पहुंचे काबुल, उधर टीटीपी हमले में 3 पुलिसकर्मियों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विशेष दूत आसिफ दुर्रानी गुरुवार को अफगानिस्तान की राजधानी काबुल पहुंचे। जहां उन्होंने आतंकवादी संगठनों तहरीके तालिबान पाकिस्तान सहित अन्य आतंकी संगठनों पर लगाम लगाने के लिए तालिबानी नेताओं और अधिकारियों से वार्ता शुरू की है। उधर गुरुवार दोपहर लगभग 12:00 बजे दो आत्मघाती आतंकवादियों ने पुलिस थाने में घुसने की कोशिश की। थाने के अंदर काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट द्वारा पकड़े गए कुछ संदिग्ध आतंकवादियों से पूछताछ की जा रही थी। इन दोनों आत्मघाती हमलावरों की संदिग्ध गतिविधि के आधार पर पुलिस थाने के अंदर घुसने पर पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोकने की कोशिश की जिसके जवाब में दोनों आत्मघाती हमलावरों ने अपनी सुसाइड जैकेट का बटन दबाकर विस्फोट कर दिया। इस विस्फोट के दौरान एक दर्जन से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हो गए और अब तक तीन पुलिसकर्मियों के मरने की खबर आई है। पिछले 72 घंटे के दौरान यह तीसरा सुसाइड अटैक है, जो पाकिस्तान के सुरक्षा कर्मियों पर किया गया है। इस सुसाइडल अटैक के 1 घंटे बाद इस घटना की जिम्मेदारी आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने ली है। आतंकवादी संगठन टीटीपी प्रवक्ता ने सुसाइड हमलावरों के नाम भी बताए गए हैं। किए गए दावे के मुताबिक यह आत्मघाती हमला उसके सुसाइड बांबरों शाहिद उल्ला यूसुफजई उर्फ हमजा और हंजला मोहम्?मद नामक आतंकवादियों द्वारा किया गया था। दिलचस्प है कि इसी आतंकवादी संगठन पर लगाम कसने के लिए अफगानिस्तान में पाकिस्तान के विशेष दूत अफगानिस्तान पहुंचे हैं। अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय का आधिकारिक तौर पर कहना है कि इस दौरान विदेश मंत्री अमीर खान मुतक्की ने उन्हें आश्वासन दिया कि अफगानिस्तान के क्षेत्र का इस्तेमाल आतंकवादी संगठन नहीं कर पाएंगे और अफगानिस्तान चाहता है कि पाकिस्तान में हर तरह से शांति कायम रहे।

भारी बारिश से दीवार गिरी, 11 की मौत

इस्लामाबाद । इस्लामाबाद में भारी बारिश के बाद एक इमारत की दीवार गिरने से बुधवार को 11 श्रमिकों की मौत हो गई जबकि छह अन्य घायल हो गये। एक अधिकारी ने यहां इसकी जानकारी दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्थानीय पुलिस अधीक्षक (एसपी) खान जेब ने 11 श्रमिकों के मौत की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि मलबे से 11 शव बरामद किये गये हैं।

बगदाद में स्वीडन के दूतावास के बाहर प्रदर्शन कर रहे लोगों को रोकते हुए पुलिसकर्मी।

इमरान खान ने मांगी माफी, महिला जज को दी थी धमकी

इस्लामाबाद । इमरान खान ने महिला जज को धमकी देने के मामले में माफी मांगी है। जानकारी के अनुसार पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान ने जेबा चौधरी नाम की महिला जज को धमकी देने के मामले में एक बार फिर जिला एवं सत्र अदालत में माफी मांगी है। अदालत की सुनवाई के दौरान खान इस्लामाबाद के न्यायिक मजिस्ट्रेट मलिक अमान के सामने पेश हुए। अप्रैल 2023 में पद से हटाए जाने के तुरंत बाद, इस्लामाबाद के एफ-9 पार्क में आयोजित पिछली राजनीतिक रैली में, खान ने शीर्ष पुलिस अधिकारियों और न्यायाधीश चौधरी पर निशाना साधते हुए एक भावुक भाषण दिया, और उन्हें नहीं बख्शने और कथित तौर पर उनके साथ दुर्व्यवहार करने के लिए उनके खिलाफ मामले दर्ज करने की कसम खाई। सुनवाई के दौरान, खान ने अपनी टिप्पणी के लिए खेद व्यक्त किया और कहा कि जब वह न्यायाधीश चौधरी की अदालत में गए थे तो उन्होंने पहले माफी मांगी थी। हालांकि, पुलिस ने उन्हें बताया कि जज छुट्टी पर हैं और उनका कोर्ट रूम बंद है। इसके बाद खान ने अदालत के रीडर से अनुरोध किया कि वह न्यायाधीश को अपना माफी का संदेश पहुंचा दे। इस दौरान जिला और सत्र अदालत में अपने भाषण में खान ने अपने बयान के लिए खेद व्यक्त किया और न्याय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए दावा किया कि वह अपने पूरे राजनीतिक जीवन में कभी भी किसी भी गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल नहीं हुए।

भारत को अपनी तेज रफ्तार आगे भी कायम रखने की जरूरत: बंगा

वाशिंगटन (एजेंसी)। केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर और विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को सशक्त बनाने के भारत के प्रयासों और ग्लोबल साउथ की चिंताओं पर चर्चा की। भारतीय-अमेरिकी बंगा, जो तीसरी जी 20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक में भाग लेने के लिए गुजरात के गांधीनगर में हैं, ने जयशंकर से मुलाकात की और बड़े विकास को बढ़ावा देने के लिए भारत के प्रयासों के बारे में बात की।

दोनों नेताओं की मुलाकात के बाद जयशंकर ने ट्वीट किया, वर्ल्ड बैंक के अध्यक्ष बंगा से मिलकर खुशी हुई। हमने क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूत करने, क्षेत्रीय समृद्धि को बढ़ावा देने और बड़े विकास को आगे बढ़ाने के भारत के प्रयासों पर चर्चा की। इसके पहले बंगा ने कहा कि आर्थिक रूप से भारत को लेकर आज अधिक आशावादी हैं और बुनियादी ढांचे के डिजिटलीकरण की दिशा में सरकार की पहल की सराहनीय है। उन्होंने आईएमएफ और विश्व बैंक की भविष्यवाणियों का भी जिक्र कर दुनिया एक या दो साल के लिए थोड़ी चुनौतीपूर्ण हो जाएगी और जोर देकर कहा कि पूर्वानुमान नियति नहीं है। बंगा ने कहा कि डिजिटलीकरण ने लोगों के लिए सेवाओं तक पहुंच आसान बना दी है और वह इसके बड़े प्रशंसक हैं। भारत ने पिछले 15-20 वर्षों में जो किया है, वह बुनियादी ढांचे का डिजिटलीकरण है। उन्होंने कहा, मैं लंबे समय की तुलना में आज समग्र रूप से आर्थिक रूप से भारत को लेकर अधिक आशावादी हूं।

बंगा ने कहा कि भारत कोरोना महामारी के समय पैदा हुई चुनौतियों से मजबूत बनकर उभरा है, लेकिन भारत को यह रफ्तार आगे भी कायम रखने की जरूरत है। बंगा ने कहा, ''भारत वैश्विक स्तर पर कायम सुस्ती के बीच काफी कुछ ऐसा कर रहा है जो उसे आगे रखने में मदद कर रहे हैं। बंगा ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक स्तर पर सुस्ती होने के बावजूद अपने घरेलू खपत की वजह से सुरक्षित है। उच्च आय वाली नौकरियों में संभावित वृद्धि के बारे में पूछने पर बंगा ने कहा, ''हमें यह समझना होगा कि ये नौकरियां कहां पर हैं। ये नौकरियां प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हैं और बहुत कम संख्या में हैं। फिर विनिर्माण क्षेत्र में ऐसी नौकरियां हैं। भारत के सामने फिलहाल यह मौका है कि वह 'चीन प्लस वन रणनीति का फायदा उठाए। चीन प्लस वन रणनीति का मतलब है कि दुनिया के विकसित देशों की कंपनियां अब अपने विनिर्माण केंद्र के तौर पर चीन के साथ किसी अन्य देश को भी जोड़ना चाहती हैं। इसके लिए भारत भी एक संभावित दावेदार के तौर पर उभरकर सामने आया है।

बंगा ने कहा, ''भारत को यह भी ध्यान रखना होगा कि चीन प्लस वन रणनीति से मिलने वाला अवसर उसके लिए 10 वर्षों तक नहीं खुला रहेगा। यह तीन से लेकर पांच साल तक उपलब्ध रहने वाला अवसर है, जिसमें आपूर्ति शृंखला को अन्य देश में ले जाने या चीन के साथ अन्य देश को जोड़ने की जरूरत है।

बीजिंग पहुंचा पूर्व अमेरिका जेम्स बॉड, रिश्ते सुधारने की कवायद

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्व विदेश सचिव हेनरी किसिंजर ने 19 जुलाई को बीजिंग में शीर्ष चीनी राजनयिक वांग यी से मुलाकात की। एक दिन पहले 100 साल के अमेरिकी ने चीनी रक्षा मंत्री ली शांगफू से बातचीत की थी। वाशिंगटन ने कहा कि उन्हें किसिंजर की औचक चीन यात्रा के बारे में जानकारी थी और कहा कि वह अमेरिकी सरकार की ओर से वहां नहीं थे। किसिंजर की यात्रा अमेरिकी जलवायु दूत जॉन केरी की चीन की यात्रा के साथ मेल खाती है, जिसका मकसद दुनिया के दो सबसे बड़े प्रदूषकों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है, जैसा कि अमेरिकी मीडिया ने बताया है। ये यात्राएं उस समय में हो रही हैं, जब अमेरिका और चीन के बीच संबंध ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। किसिंजर चीन में क्या कर रहे हैं? अमेरिका और चीन कैसे रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रहे हैं?

पूर्व अमेरिकी राजनयिक 50 साल पहले दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों को फिर से शुरू करने के अपने प्रयासों के लिए चीन में एक सम्मानित व्यक्ति बने हुए हैं। जुलाई 1971 में अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में बीजिंग की उनकी आश्चर्यजनक यात्रा थी जिसने अगले वर्ष एशियाई देश में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन की ऐतिहासिक यात्रा का मार्ग प्रशस्त किया। अमेरिका और चीन ने 1979 में आधिकारिक तौर पर एक दूसरे को मान्यता दी। पद छोड़ने के बाद भी किसिंजर ने चीन का दौरा किया और कई बार चीनी अधिकारियों से मुलाकात की। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने आखिरी बार नवंबर 2019 में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की थी, जब शी जिनपिंग ने दोनों देशों के बीच संबंधों के विकास को बढ़ावा देने में उनके सकारात्मक प्रयासों के लिए अनुभवी राजनयिक की सराहना की थी।

अमेरिकी रिपोर्ट का खुलासा, परमाणु सुरक्षा में पाकिस्तान भारत से आगे

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की परमाणु सुरक्षा भारत से भी बढ़कर है। यह खुलासा अमेरिका की ताजा रिपोर्ट में हुआ है। इस तरह से पाकिस्तान के लिए एक अच्छी खबर आई है। अमेरिका स्थित एक अंतरराष्ट्रीय संगठन की तरफ से परमाणु सुरक्षा के लिहाज से पाकिस्तान को भारत से आगे रखा गया है। हैरानी की बात यह है कि आर्तकियों की सुरक्षित पनाहगार वाले इस मुल्क को उसके पड़ोसी से बढ़कर बताया है। लेकिन तज्जुब तो तब हुआ जब भारत की तुलना ईरान और उत्तर कोरिया से कर डाली गई है। मंगलवार को खतरनाक परमाणु हथियारों से निपटने के मामले में पाकिस्तान ने पिछले मूल्यांकन के बाद से तीन और अंक हासिल किए हैं। अब वह 22 देशों की लिस्ट में सूची में 19वें नंबर पर है। एनटीआई परमाणु सुरक्षा सूचकांक की तरफ से पाकिस्तान को यह गुड न्यूज दी गई है। इस थिंक टैंक संकेतकों और मानदंडों के आधार पर देशों की परमाणु सुरक्षा क्षमताओं और प्रयासों को मापता है। इनमें परमाणु सामग्रियों और सुविधाओं की सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय मानदंडों और संधियों का पालन, परमाणु सुरक्षा के लिए नियामक ढांचा और परमाणु हथियारों या सामग्रियों तक अनधिकृत पहुंच को रोकने के लिए सर्वश्रेष्ठ नियमों को लागू करने जैसे जैसे कारक शामिल हैं।

गौरतलब है कि वॉशिंगटन स्थित यह एनजीओ इस इंडेक्स को रिलीज करता है। साथ ही इस बात का सावधानीपूर्वक रिकॉर्ड भी रखता है कि कोई देश परमाणु सामग्री को कैसे संभाल रहा है। एनटीआई इंडेक्स में पाकिस्तान का स्?कोर 49 है जबकि भारत को 40, ईरान को 29 और उत्तर कोरिया को 18 से ज्यादा अंक मिले हैं। इससे यह भी पता चलता है कि पाकिस्तान अपनी परमाणु सुविधाओं की सुरक्षा के मामले में रूस और इजरायल के साथ 32वें स्थान पर है और 47 देशों की सूची में भारत, ईरान, मैक्सिको, दक्षिण अफ्रीका और कई अन्य देशों से ऊपर है। हालांकि, इंडेक्स में इस बात पर चिंता जताई गई है और कहा है कि इसकी स्थिति बिगड़ रही है। इस एनजीओ की तरफ से पिछले काफी समय परमाणु सुरक्षा पर प्रगति की रिपोर्ट तैयार की जा रही है। बता दें कि साल 2023 में पहली बार एनटीआई परमाणु सुरक्षा इंडेक्?स में पाया गया है कि परमाणु सामग्री और परमाणु सुविधाओं वाले दर्जनों देशों और क्षेत्रों में परमाणु सुरक्षा की स्थिति वापस आ रही है।

बगावत के बाद पहली बार निजी सेना के प्रमुख प्रिगोझिन का वीडियो सामने आया

मॉस्को (एजेंसी)। रूस की निजी सेना वैग्नर समूह के प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन का बुधवार को एक वीडियो सामने आया जिसमें वह अपने सैनिकों को यह कहता दिख रहा है कि अफ्रीका में तैनाती से पहले उन्हें बेलारूस में अपने सैन्य प्रशिक्षण के लिए कुछ समय बिताना होगा। पिछले महीने प्रिगोझिन के नेतृत्व में रूस की निजी सेना ने संक्षिप्त बगावत कर दी थी। प्रिगोझिन की वैग्नर निजी सेना कंपनी से संबंधित मैसेजिंग ऐप चैनलों ने कहा कि उन्होंने बेलारूस में एक क्षेत्र शिविर में सैनिकों को संबोधित किया और एक वीडियो जारी किया। शाम के समय तैयार किए गए इस वीडियो में दृश्य धुंधले कर दिए गए हैं। इसमें उसकी छाया नजर आती है और उसकी गंभीर आवाज को स्पष्ट तौर पर सुना जा सकता है।

वीडियो में प्रिगोझिन कहता है, ''स्वागत है आप सभी का। आप सभी का स्वागत कर मुझे खुशी हो रही है। बेलारूस की धरती पर आपका स्वागत है।'' प्रिगोझिन ने कहा, ''हम सम्मान के साथ लड़े। हमले रूस के लिए काफी कुछ किया है।'' प्रिगोझिन की बगावत ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के 23 साल के शासन के लिए बहुत ही गंभीर खतरा पैदा कर दिया था। यह बगावत हालांकि संक्षिप्त थी। नए वीडियो में भी प्रिगोझिन ने यूक्रेन में लड़ाई के फैसले की आलोचना की। वीडियो की प्रामाणिकता की तत्काल पुष्टि नहीं की जा सकी। उसने कहा, ''आज जो भी कुछ सीमा पर हो रहा है वह शर्मिंदगी की बात है जिसमें हमें हिस्सा नहीं लेना चाहिए।'' उसने कहा कि वैग्नर सेना भविष्य में यूक्रेन लौट सकती है। प्रिगोझिन ने वीडियो में कहा, ''हम विशेष सैन्य अभियान में तभी लौट सकते हैं जब हमें महसूस होगा कि जो हम करेंगे, वह हमारी शर्मिंदगी का कारण नहीं बनेगा।'' उसने कहा, ''हमें अभी इंतजार करने की जरूरत है।'' प्रिगोझिन ने कहा, ''इसलिए यह फैसला किया गया है कि हम अभी कुछ समय बेलारूस में बिताएंगे। इस दौरान हम बेलारूस की सेना को दुनिया की दूसरी सबसे ताकतवर सेना बनाएंगे। हम प्रशिक्षित करेंगे, अपने स्तर को बढ़ाएंगे और फिर अफ्रीका की नयी यात्रा पर जाएंगे।

पृथ्वी की सफेद रंग से पुताई से कम हो सकती है ग्लोबल वार्मिंग

-वैज्ञानिकों का दाव- इससे कम हो सकती है ग्लोबल वार्मिंग

कैलिफोर्निया (एजेंसी)। वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर पृथ्वी की सतह का दो फीसद हिस्सा भी सफेद रंग से रंग दिया जाए तो उससे ग्लोबल वार्मिंग काफी कम हो जाएगी। जिस तेजी से इन दिनों पृथ्वी और ज्यादा गर्म होती जा रही है, दुनिया के तापमान कम करने के कृत्रिम उपायों पर भी जोरों से मंथन चल रहा है। इनमें समतापमंडल में एरोसोल छोड़ने का एक उपाय भी शामिल है जिससे बने बादल सूर्य से आने वाली रोशनी को रोक सकें। लेकिन वर्तमान अध्ययन में दो साल पहले हुए एक शोध की मदद ली जिसमें वैज्ञानिकों एक खास पेंट विकसित किया था।2021 में पड्यू यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने ऐलान किया था कि उन्होंने ऐसा पेंट विकसित किया है जो दुनिया का अब तक का सबसे सफेद पेंट है। इसकी सफेदी प्रकाश 98 फीसद तक प्रतिबिम्बित कर सकती है। इस ऐलान से पर्यावरणविदों और जलवायु संरक्षणकर्ताओं में एक उम्मीद बनी थी इससे जलवायु परिवर्तन के प्रभाव खास तौर से ग्लोबल वार्मिंग को रोकने में मदद मिलेगी। उस समय कई विशेषज्ञों ने यह माना था कि अगर इस तरह के पेंट का छत पर उपयोग किया जाए तो उससे गर्मी के दिनों मे छत गर्म नहीं होगी और इससे वातानुकूलित यंत्रों का उपयोग कम होने से ग्लोबलवार्मिंग को रोकने में भारी कमी हो सकती है। लेकिन लेकिन इससे केवल यही फायदा ही नहीं होगा बल्कि इसका इससे भी बड़ा उपयोग है।पृथ्वी की सतह पर प्रकाश का अवशोषण ही पृथ्वी को अधिक गर्म कर रहा है। और इसमें जरा सी भी कमी पृथ्वी का तापमान कम करने में प्रभावी तौर पर मदद कर सकती है।

बस अब बहुत हुआ...तालिबान के विरोध में उतरीं महिलाएं, खाना, काम और न्याय का लगाया नारा

इंटरनेशनल डेस्क। तालिबान की तरफ से ब्यूटी सलून बंद करने के आदेश के बाद दर्जनों अफगान महिलाओं ने बैन का विरोध किया। सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारी महिलाओं पर पानी की बौछार की, 'स्टन गन' का इस्तेमाल किया और तालिबान करने के लिए एक महीने का समय दिया है और इसे गैर-कानूनी घोषित किया है। दर्जनों ब्यूटीशियन और मेकअप कलाकार बैन का विरोध करने के लिए काबुल में इकट्ठा हुआ। एक महिला ने कहा, 'हम यहां न्याय के लिए हैं। हम काम, भोजन और आजादी चाहते हैं।' इस उद्योग से कई महिलाएं जुड़ी हुई हैं।

तालिबान ने नया फरमान जारी करते हुए अफगानिस्तान में ब्यूटी सैलून को बंद करने के लिए एक महीने का समय दिया है। मंत्रालय के प्रवक्ता मोहम्मद सिदिक आकिफ महाजर ने सीएनएन को पुष्टि करते हुए बताया कि सदाचार के प्रचार और बुराई की रोकथाम के लिए यह आदेश 24 जून को दिया गया था, जिसमें सभी सैलून 27 जुलाई तक बंद कर दिए जाएंगे। मंत्रालय ने कहा कि काबुल समेत सभी प्रांतों के तालिबान प्रशासन से कहा गया है कि वे महिलाओं के ब्यूटी सलूनसे जुड़े लाइसेंस रद्द कर दें। सदाचार मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि लोगों को इस प्रतिबंध के बारे में सबसे पहले 2 जुलाई यानी रविवार को जानकारी दी गई थी।

अफगानिस्तान से साल 2021 में अगस्त के महीने में संयुक्त राज्य अमेरिका और उसके सहयोगियों की शर्मनाक वापसी के बाद काबुल पर नियंत्रण करने के बाद से तालिबान ने मानवाधिकारों पर दशकों की प्रगति को पीछे छोड़ दिया है। तालिबान इससे पहले उनकी पढ़ाई और नौकरी के साथ सिनेमा और एंटरटेनमेंट पार्क जाने पर भी बंदिशें लगा चुका है। ब्यूटी सलूनपर प्रतिबंध का यह आदेश तालिबान के सदाचार मंत्रालय ने जारी किया है।

संपादकीय

'इंडिया' की गुगली

मंगलवार के दिन भारतीय राजनीतिक परिदृश्य दिल्ली में एनडीए के 38 और बंगलुरु में विपक्ष के 26 दलों के सम्मेलनों से रोचक बन गया। कार्यक्रम के साथ मीडिया में भी खबरें समांतर चली। कहना कठिन है कि यह संयोग था या खबरों की दुनिया के लिये सुनियोजित प्रयास। बहरहाल, राजग ने संदेश दिया कि उसका ढांचा लोकतांत्रिक है और उसके बिछुड़े दल वापस लौट रहे हैं। बहरहाल, ये सम्मेलन दलों के संख्याबल का मुकाबला तो बन ही गया। एक बात तो तय है कि राजग से अलग हुए नीतीश कुमार के प्रयासों से पटना से शुरू हुआ विपक्षी एकता का अभियान अब सिरे चढ़ते नजर आ रहा है। कयास तो पहले ही लग रहे थे कि जब आम चुनाव में कुछ ही महीने बाकी हैं तो दो बार से बड़े बहुमत से मजबूत सरकार बना रहे राजग को चुनौती देने की विपक्षी कोशिश जरूर होगी। बहरहाल, पटना से बंगलुरु तक की यात्रा में विपक्षी एकजुटता में इतनी तरक्की तो हुई है कि गठबंधन को 'इंडिया' नाम मिल गया है। यानी विस्तार में इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव एलायंस नाम दिया है। जाहिर है विपक्षी थिंक टैंक ने एक गुगली राजग की तरफ उछाली है और 'इंडिया' शब्द का मनोवैज्ञानिक लाभ उठाने की कोशिश की है। हालांकि, विपक्षी एकता के सूत्रधार नीतीश कुमार गठबंधन के नाम में 'भारत' शब्द जोड़ने की वकालत कर रहे थे। इसी दिन दिल्ली में मोदी सरकार की दूसरी पारी में राजग की पहली बैठक का आयोजन और उसमें नये छोटे दलों का शामिल किया जाना बताता है कि विपक्षी एकजुटता को राजग हल्के में नहीं ले रहा है। एक बात तो तय है कि लोकसभा चुनाव तक राजग व साझा विपक्ष में मुकाबला दिलचस्प होने जा रहा है। जाहिरा तौर पर, बंगलुरू में विपक्षी दलों ने राजग पर आक्रमण के लिये उन मुद्दों को प्राथमिकता दी, जिन पर वे मोदी सरकार को घेरते रहे हैं। खासकर सांप्रदायिकता, महंगाई, लोकतंत्र की आधारभूत संस्थाओं की स्वायत्तता, बेरोजगारी और मणिपुर के मुद्दे पर राजग को घेरने की कोशिश हुई। जाहिर है लोकसभा चुनाव में ये मुद्दे विपक्ष के हथियार होने वाले हैं। बहुत संभव है कि आगामी मानसून सत्र में विपक्षी एकजुटता का असर संसद में भी नजर आए। हालांकि, राजग नेतृत्व दिखाने का प्रयास कर रहा है कि वे इन एकजुटता के प्रयासों को गंभीरता से नहीं लेते हैं। इतना ही नहीं भाजपा अपने मुख्य एजेंडे कश्मीर में अनुच्छेद 370 को हटाने, अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लक्ष्य को हासिल करने के बाद मानसून सत्र में समान नागरिक संहिता पर विधेयक लाने को प्रतिबद्ध नजर आ रही है। वहीं दिल्ली में राजग सम्मेलन से पहले गठबंधन से छिटके रामविलास पासवान के राजनीतिक वारिस चिराग पासवान, जीतनराम मांझी, ओमप्रकाश राजभर को जिस तरह राजग में शामिल किया गया, उसका मकसद जनता को यही संदेश देना है कि राजग के साथी बिखरे नहीं हैं। वहीं पूर्वोत्तर आदि के तमाम छोटे दलों को एनडीए में शामिल करके संदेश देने का प्रयास हुआ है कि राजग के साथ दलों की संख्या विपक्ष से ज्यादा है। कहीं न कहीं विपक्षी एकजुटता को लेकर राजग गंभीर तो नजर आने लगा है, भले ही वह इस बात को सार्वजनिक तौर पर स्वीकार न करे। बहरहाल बंगलुरू सम्मेलन को लेकर विपक्षी दल इस बात को अपनी उपलब्धि मान सकते हैं कि सोनिया गांधी की उपस्थिति में पटना सम्मेलन में अनमनी सी लग रही आम आदमी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी तथा सपा की सक्रियता बता रही है कि विपक्ष अपने अस्तित्व के लिये एकजुटता को अपरिहार्य मान रहा है।

आज का राशीफल

मेष गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप की संभावना है।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। दूसरों से सहयोग लेने में सफल रहेंगे।

तुला शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अपनों का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। व्यर्थ की भागदौड़ होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक उन्नति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खान-पान संयम रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा।

मीन जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

दोषपूर्ण विकास नीतियों से उपजी तबाही

देविंदर शर्मा

बस यह कुछ ही दिनों की बात है, शीघ्र हिमाचल प्रदेश की पहाड़ियों में भारी बारिश से मची तबाही के बाद राहत और पुनर्वास कार्य होगा। वहीं पंजाब, हरियाणा व दिल्ली बाढ़ से उबर जायेंगे तो उसके बाद सब कुछ पूर्ववत चलने लग जायेगा।

जब मैं 'सब कुछ पहले जैसा' कहता हूं तो मेरा आशय यह नहीं है कि जीवन फिर से सामान्य हो जायेगा। बेशक ऐसा तो होगा ही, लेकिन इससे भी अहम यह है कि हम उन सबकों को भूल गए होंगे जो क्रोधित प्रकृति ने केवल चार दिनों तक पहाड़ों पर लगातार मूसलाधार बारिश के माध्यम से देने की कोशिश की थी। जबकि 60,000 फंसे हुए पर्यटकों को निकाला गया है, फौरी तौर पर करीब 4,000 करोड़ रुपये के नुकसान का अंदाजा है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारी वर्षा से अनगिनत भूस्खलन हुए और सड़कों को नुकसान पहुंचा जिससे करीब 1321 मार्ग अवरुद्ध हो गये, 750 जल परियोजनाएं प्रभावित हुईं और करीब 4500 ट्रांसफॉर्मर बेकार हो गये। उफनती नदियों का रौद्ररूप ऐसा था कि रास्तों पर साइड में खड़ी अनगिनत कारों व अन्य वाहनों के अलावा कई पुल भी बह गये। कई जगहों पर तो पहाड़ों पर जमा कचरा भी नीचे की तरफ बहता देखा गया। निश्चित तौर पर दृश्य विचलित कर देने वाला था। संक्षेप में, हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और पंजाब, हरियाणा के निचले इलाकों में बसे शहरों, कस्बों और खेतों में बड़े पैमाने पर बाढ़ से निश्चित तौर पर बड़ी तबाही का मंजर है। चार दिन की भारी बारिश में कई शहर व कस्बे पानी के लबालब भरे तालाब जैसे नजर आये। जिनमें कारें डूबी हुई थीं या फिर तैर रही थीं। हम जानते हैं कि यमुना का जलस्तर अब तक का सर्वाधिक था और इसके किनारे पर दिल्ली के निचले इलाकों में बसे लोग हैं। इसके साथ ही पंजाब में कई जगह सेना बुलानी पड़ी। सही-सही नुकसान का अंदाजा पानी उतरने के बाद ही लग सकेगा। पहले ही, 10000 से ज्यादा लोग सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाए जा चुके हैं।

जब मुझसे पूछा गया कि बाढ़ के पीछे क्या कारण लगता है, तो मैंने एक टीवी चैनल से कहा - 'यह शायद प्रकृति का अपनी नाराजगी व्यक्त करने का तरीका था।' 'मैंने ऐसा क्यों सोचा' के पूरक प्रश्न पर मेरी प्रतिक्रिया थी कि पिछले कुछ वर्षों में हिमाचल प्रदेश में कंक्रीटीकरण के चलते अंधाधुंध विकास हुआ है, जिससे सभी पारिस्थितिक सुरक्षा उपाय ताक पर रखे गये हैं। तेजी से जंगलों के कटान और 4-लेन या 6-लेन राजमार्गों के निर्माण के लिए पहाड़ों में लापरवाही भरे विस्फोटों से, नाजुक पहाड़ियां जर्जर हो गई हैं। हालांकि यह ज्ञात है कि राज्य के सभी 77 ब्लॉक कमजोर और भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील हैं, इसके बावजूद राजमार्गों का निर्माण करते समय सभी तकनीकी मानदंडों को ताक पर रख दिया जाता है। इसके अलावा, 2019 तक, हिमाचल प्रदेश में 153 पनबिजली परियोजनाएं थीं, जिसके परिणामस्वरूप पानी का प्राकृतिक प्रवाह अवरुद्ध होता है और कभी-कभी आने वाली बाढ़ के कारण पानी का मार्ग बदलता है, जिसके चलते और अधिक नुकसान हुआ। दुर्भाग्यवश, ऐसे समय में जब विकास से जुड़े मुद्दे हावी होकर गूंज रहे हैं, तो पेड़ों के महत्व की बात दबकर रह गयी है। जिस तरह से राजमार्ग निर्माण के लिए पेड़ों को बेरहमी से काटा जाता है, उसकी भी बहुत भारी कीमत चुकानी होती है, लेकिन इसकी कम ही चर्चा की जाती है। जब फेड पियर्स, (पूर्व साइंटिस्ट) ने येल एनवायरनमेंट 360 में एक निबंध में लिखा था कि 'जंगल का प्रत्येक पेड़ एक फव्वारा है, जो अपनी जड़ों के जरिये जमीन से पानी खींचता है और अपने पत्तों में छिद्रों के माध्यम से जल वाष्प वायुमंडल में छोड़ता है।'- मूल रूप से यह नीति निर्माताओं के लिए सबक होना चाहिए था। जबकि पेड़ों की जड़ें मिट्टी को जकड़े रखती हैं, ऐसे में पेड़ों की तेजी से हो रही कमी के कारण पहाड़ियां भूस्खलन के प्रति संवेदनशील होती जा रही हैं। राजमार्गों के विस्तार और इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के लिए बड़ी संख्या में पेड़ों को काटना बस एक संख्या मात्र बन गई है। भारत में 2021-22 में 43.9 हजार हेक्टेयर प्राथमिक वन गायब हो गये। लोगों ने यह भी नहीं समझा कि वृक्षों में तापमान को ठंडा रखने की खास क्षमता है, कि एक वृक्ष का वातावरण को शीतल करने का प्रभाव दो एयर कंडीशनरों के समान है। इसलिए जब तापमान बढ़ जाता है तो उन्हीं लोगों को बढ़ी गर्मी से ज्यादा शिकायत होती है जिन्हें विकास के नाम पर वृक्षों के कटान से कोई परहेज नहीं है। जलवायु परिवर्तन को दोष देना आसान है। हालांकि मैं वैज्ञानिकों द्वारा इस प्रचंड घटना को बाद में जलवायु परिवर्तन से जोड़ने की किसी भी संभावना से इन्कार नहीं कर रहा हूं, लेकिन हमने जो विनाश देखा है वह दोषपूर्ण विकास नीतियों का परिणाम है जिन्हें जानबूझकर आर्थिक उन्नति के नाम पर आगे बढ़ाया जा रहा है। इसमें मानवीय लालच और बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार को जोड़ दें और आपके पास यह जानने के सभी कारण मौजूद होंगे कि पहाड़ियां क्यों तबाह हुईं। कुछ लोग इसे मानवजनित कहते हैं लेकिन यह भी उन असल वजहों को धुंधला कर देता है जिनके कारण पर्यावरण को गहरा झटका लगा। थोड़ा अलग तरह से कहें तो, यह अपनी ओर आने वाली शक की सूई से बचने के लिए दोष मढ़ने का एक सरल तरीका है। वास्तव में, हमारे सामने आने वाली प्रत्येक मौसम संबंधी विसंगति का दोष जलवायु परिवर्तन को देना बहुत आसान हो गया है। फिर भी, भारी बारिश से हुई बड़ी तबाही के कारणों की बात की जाये तो जिस ढंग से मकानों, सड़कों व इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स का निर्माण किया गया उसके परिणामस्वरूप नदियों का प्राकृतिक प्रवाह और जलस्रोत नष्ट हो गये। जहां किसी जमाने में नदियों के पाट थे वहां बहुमंजिला अपार्टमेंट्स बना दिये गये। आज भी मैं ऐसे लोगों को देखता हूं, जो रिहायशी कॉलोनियां बसाने के लिए राज्य सरकारों पर पर्यावरण मानकों को त्यागने का दबाव डालने के लिए जिम्मेदार थे, वे भी बड़ी आसानी से दोष जलवायु पर मढ़ देते हैं। हम अपने चारों ओर जो तबाही देख रहे हैं उसके लाने में अपनी ही भूमिका को बिसरा देते हैं। अपने दोष दूसरों पर डाल देना आसान सा दस्तूर बन गया है। मिसाल के तौर पर, चंडीगढ़ के निकट उभरते खरड़ कस्बे को ही लीजिये, जिसमें जलस्रोतों व प्राकृतिक नालों के निकास रास्तों को बाधित कर दिया गया है, जिसके चलते बरसातों के दौरान खरड़ एक विस्तृत झील जैसा बन जाता है। मसलन, मिलेनियम सिटी गुड़गांव में 153 जलस्रोतों को अब दोबारा अस्तित्व में नहीं लाया जा सकता है। रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स ने बाढ़ के पानी के निकास के रास्ते को पाट दिया है। जबकि शहर का विस्तार योजना के वक्त निकासी व्यवस्था को कम प्राथमिकता दी जाती है, साथ ही पर्यटकों की बेतहाशा भीड़ का आना भी अपने दुष्प्रभाव छोड़ जाता है। ज्यादातर सीवरेज निकास प्रणाली प्लास्टिक से अवरुद्ध रहती है जिससे गलियां और रिहायशी क्षेत्र के मकान अक्सर डूब जाते हैं।

मुझे संदेह है कि इस सबसे कोई सबक लिया गया हो। परखने के लिए शिमला के विवादास्पद डेवलपमेंट प्लान को लीजिये। क्या कुछ दिनों पूर्व ही हुई निरंतर बारिश द्वारा बरपाये कहर से राज्य सरकार कोई सबक लेगी या फिर पुनर्नवीकृत विनिर्माण गतिविधियों को जारी रखेगी जिसके शहर की 17 हरित पट्टियों को निगलने का अनुमान है? इसी तरह, संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) जिसने, बिना किसी संशोधन के विवादास्पद वन (संरक्षण) संशोधन विधेयक को इस भारी बारिश की शुरुआत वाले दिन ही पारित कर दिया, क्या पुनर्विचार के लिए इसके मसौदे को वापस मंगवायेगी? आपका अंदाजा भी उतना ही बेहतर होगा, जैसा कि मेरा है। विकास का आख्यान लोगों, पर्यावरण और पारिस्थितिकी के मुकाबले प्रमुखता प्राप्त कर लेगा। मैं यह पहले भी कह चुका हूं, सब कुछ पहले की ही तरह चलता रहेगा।

लेखक कृषि एवं खाद्य विशेषज्ञ हैं।

भ्रष्टाचार को उजागर करते बाढ़ के बाद के दृश्य

(लेखिका - निर्मल रानी)

प्रकृति ने पिछले दिनों हुई बेतहाशा बारिश पर लगाम लगा तो ज़रूर दी है परन्तु बाढ़ व जल प्रलय की विभीषिका के बाद के भयावह दृश्य व उनके दुष्प्रभाव सामने आने शुरू हो चुके हैं। शासन प्रशासन इन चुनौतीपूर्ण हालात का सामना करने की कोशिश कर रहा है। कई जगह जहां बिजली आपूर्ति बाधित हुई थी सरकारी तंत्रों ने अपने मेहनतकश कर्मचारियों के दिन रात किये गए अथक परिश्रम से विद्युत आपूर्ति को बहाल किया। जहाँ जहाँ जलापूर्ति प्रभावित थी या गंदे पानी की आपूर्ति हो रही थी उसे भी अधिकांश जगहों पर सामान्य किया जा चुका है। और जहाँ नहीं हो सकी है उसके लिये प्रयास जारी हैं। सरकार द्वारा पेय जल प्रदूषित होने के कारण फैलने वाली बीमारी से बचाव के मद्देनज़र कई जगहों पर नागरिकों में दवाइयां वितरित करवाने की कोशिश की जा रही है। निचले इलाक़ों में ठहरे हुये पानी से सड़ांध फैली हुई है इससे बीमारी फैलने की आशंका है। तमाम स्थानों से मवेशियों के मरने व सड़ने की ख़बरें आ रही हैं। इनसे निपटना भी एक बड़ी चुनौती है। जहाँ जहाँ अंडर पास ओवर फ़्लो हो गये थे वे भी अब ख़ाली हो चुके हैं उनमें जमी गाद भी साफ़ की जा चुकी है। और जहाँ अंडर पास में डूबने से कोई मर गया था वहां सरकार ने चेतावनी के बोर्ड लगवा दिये हैं। जहाँ जहां रेल लाइनों पर जलभराव के चलते रेल परिचालन बाधित हुआ था उसे दुरुस्त कर रेल आवागमन लगभग नियमित किया जा चुका है।

परन्तु बाढ़ व भारी बारिश की इस विभीषिका ने सरकार व प्रशासन की एक बार फिर पोल खोल कर भी रख दी है। जहाँ जहाँ सड़कों पर जलभराव था वहां अनेक जगहों पर बने गड्ढे इस बात की गवाही दे रहे हैं कि सड़क निर्माण में कितनी घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया था। ऐसी सड़कों पर अनेक जगहों पर बजरी बाहर निकल आई है जिससे निर्माण में बरती गयी लापरवाही व भ्रष्टाचार का साफ़ पता चल रहा है। दर्जनों पुल व बाँध टूटने के बाद उनके निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़ा हो रहा है। जिसतरह कई निर्माणाधीन या नवनिर्मित पुल व बाँध इस भीषण तबाही में ध्वस्त हो गये उसी तरह देश में कुछ स्थानों से उस नव निर्माणाधीन रेल लाइनों के नीचे से ज़मीन धंसने व बहने के भी समाचार हैं जोकि देश के चारों कोने को जोड़ने के लिये विशेष समर्पित माल ढुलाई गलियारा के नाम से बनाया जा रहा है। अभी इसपर मॉल गाड़ियां भी नहीं दौड़ीं और नई बिछाई गयी रेल लाइनों के नीचे से ज़मीन भी खिसक गयी ? इस तरह के दृश्य योजना अभियांत्रिकी तथा निर्माण की गुणवत्ता आदि अनेक पहलू से सवाल खड़ा कर रहे हैं। इसी तरह कई जगहों पर नालों की सफ़ाई जो बारिश से पहले ही की जानी चाहिये वह नहीं हो पाई जिसके चलते शहरी इलाक़ों में जलभराव हुआ। अनेक बस्तियों में पानी घुस आया। लोगों को भरी क्षति का सामना करना पड़ा। और जब बारिश रुकने के बाद जे सी बी के द्वारा गहरे नालों की सफ़ाई की भी गयी तो अनेक नाले क्षतिग्रस्त हो गये। क्योंकि उनमें घटिया निर्माण सामग्री का प्रयोग हुआ था। और उनमें जमी घास फूस नियमित रूप से साफ़ नहीं की जा रही थी। सरकार भ्रष्टाचार पर ज़ीरो टॉलरेंस का झूठा ढोल ज़रूर पीटती रहती है, परन्तु नालों नालियों व सड़कों गलियों के निर्माण की गुणवत्ता स्वयं इस बात का सुबूत है कि इनमें कितना भ्रष्टाचार किया गया है। कई जगहों पर तो नालों नालियों में लगने वाली ईटों को एक दूसरी पर रखकर और बिना सीमेंट से उन्हें जोड़े हुए प्लास्टर कर ढक दिया जाता है। जबकि इस तरह की निर्माण परियोजना में शामिल सरकारी तंत्र व ठेकेदारों का नेटवर्क अपने घरों के निजी निर्माण में उच्च गुणवत्ता बनाये रखने में कोई कसर बाक़ी नहीं रखता ?

शहरी इलाक़ों में जलभराव का मुख्य कारण यह भी है कि प्रायः गलियों व सड़कों के निर्माण के नाम पर इन्हें बार बार ऊँचा कर दिया जाता है। इसके चलते अधिकांश मकानों का स्तर गलियों व सड़कों से नीचे हो जाता है। परिणाम स्वरूप जब ऐसी सड़कों व गलियों में बारिश का पानी भरता है तो वह गलियों सड़कों के भरने से पहले ही लोगों के मकानों या दुकानों में भर जाता है। उधर इन्हीं सड़कों व गलियों के किनारे बनने वाली कमज़ोर व घटिया सामग्री का इस्तेमाल की गयी नालियां टूटने या क्षतिग्रस्त हो जाने से नालियों का पानी ज़मीन में रिसाव कर लोगों के गली के नीचे स्तर के हो चुके मकानों में ज़मीन के नीचे से रिसने लगता है। और लोगों के घरेलू सामन का काफ़ी नुक़सान होता है व भारी परेशानी भी उठानी पड़ती है। ज़रा सोचिये कि भीषण मंहगाई के इस दौर में जबकि इंसान को दो वक़्त की रोटी के लिये जूझना पड़ रहा हो और उसका जीवन व अस्तित्व ही दांव पर लगा हो ऐसे में वह अपने व अपने परिवार के जीने के लिये मंहगी से मंहगी होती जा रही रोटी का प्रबंध करे,अपने बच्चों को अत्यंत मंहगी हो चुकी शिक्षा दिलाये या फिर सरकारी भ्रष्टाचार व ग़लत योजनाओं के कारण अपने नीचे हो चुके मकानों को तोड़ कर नया मकान बनवाये ? जोकि आम तौर से बमुश्किल इंसान अपने जीवन में एक ही बार बना पाता है ?

ऐसे में लोगों का यह सवाल पूछना ग़ैर मुनासिब नहीं कि क्या वजह है कि अंग्रेज़ों यहाँ तक कि उससे पहले मुग़लों के समय के बनाये गये पुल अभी भी सुरक्षित हैं और निर्बाध सेवाएं दे रहे हैं ?अंग्रेज़ों व मुग़लों के समय बनाई गयी तमाम ऐतिहासिक इमारतों में अभी भी न तो जलभराव होता है न ही उनमें सीलन आती है। उस दौर के शासक तो भ्रष्टाचार पर ज़ीरो टॉलरेंस जैसा न तो ढोल पीटते थे न इस तरह का दवा करते थे। बल्कि केवल ईमानदारी व पूरी दक्षता से अपना काम करते थे। जबकि हमारे देश में जिसे देखो वही अपनी ईमानदारी का ढोल पीटता रहता है। स्वयं को भ्रष्टाचार विरोधी बताता है। परन्तु जब भी बारिश या बाढ़ आती है उसके बाद के दृश्य सरकारी योजनाओं की कमियों व उनमें व्याप्त भ्रष्टाचार को तत्काल उजागर कर देते हैं।

मणिपुर में हुई घटना से भारत सारी दुनिया में शर्मसार

(लेखक - सनत जैन)

मणिपुर में 4 मई को 2 कुकी युवतियों को निर्वस्त्र करके भीड़ ने सड़कों पर निवस्त्र करके घुमाया। सैकड़ों लोगों की भीड़ ने युवतियों को घेरकर उनके आंतरिक अंगों के साथ खुलेआम छेड़छाड़ कर रही थी। उन्हें सार्वजनिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। उनके साथ गैंगरेप किया गया। युवती का भाई बहन को बचाने के लिए आया। भीड़ ने उसकी भी हत्या कर दी। यदि इसका वीडियो सामने नहीं आता, तो कोई भी इस घटना पर कभी विश्वास नहीं कर पाता। इस घटना के बाद से ही मणिपुर आग में जल रहा है। लगभग 3 महीने होने को आ रहे हैं। पुलिस द्वारा इतनी बड़ी घटना को कई महीने दबाकर रखा गया। पुलिस ने एफआईआर अज्ञात व्यक्तियों के नाम पर लिखकर आरोपियों पर वीडियो वायरल होने तक कोई कार्यवाही नहीं की। जिसके कारण कुकी और मेतई समुदाय के बीच में अविश्वास बढ़ा। पुलिस प्रशासन, जिला प्रशासन और सरकार के खिलाफ अविश्वास और नाराजी फैली। जिसके कारण आज तक मणिपुर शांत नहीं हो पा रहा है। मणिपुर के मुख्यमंत्री मैतई समुदाय के हैं। जो मणिपुर राज्य का बहुसंख्यक वर्ग है। मुख्यमंत्री द्वारा अपराधियों को खुलेआम संरक्षण दिया जा रहा है। जिसके कारण पुलिस, सेना और स्वास्थ्य कर्मी भी अब कुकी और मेतई समुदाय में बंट चुके हैं। एक समुदाय दूसरे के इलाके में जाकर ड्यूटी नहीं कर पा रहे हैं। मणिपुर में डबल एंजिन की सरकार है। प्रधानमंत्री की कुर्सी में कद्दावर नेता नरेंद्र मोदी बैठे हुए हैं। गृहमंत्री के रूप में सर्व शक्तिमान अमित शाह विराजमान हैं। भाजपा के वीरेन सिंह मणिपुर के मुख्यमंत्री है। उनके द्वारा अपनी ही जाति समुदाय के लोगों को संरक्षण दिए जाने से कुकी भयभीत और नाराज हैं। कुकी समुदाय वहां पर अल्पसंख्यक है। उसके ऊपर खुलेआम हमले हो रहे हैं। सैकड़ों गिरजाघर और कई मंदिर वहां पर जला दिए गए। शासन-प्रशासन वहां ढ़ाई महीने से तमाशा देख रहा है। 4 मई की इस घटना का जब वीडियो वायरल हुआ। उसके बाद मणिपुर के 5 जिलों में एक बार फिर तनाव फैल गया। वहां पर पूर्ण कालिक कर्फ्यू लागू किया गया है। पिछले ढाई महीने से यहां पर इंटरनेट बंद है। मणिपुर में राज्यपाल के रूप में आदिवासी महिला अनुसुइया उइके विराजमान हैं। उन्हीं के रहते हुए नगा आदिवासी समुदाय के ऊपर अमानुषिक अत्याचार हो रहे हैं। महिलाओं को नंगा घुमाकर उनके साथ गैंगरेप की घटना पर पुलिस द्वारा पिछले ढाई महीने में किसी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया। बहुसंख्यक समुदाय को संरक्षण दिए जाने के कारण, मणिपुर की स्थिति बेकाबू हो गई है। जिसने भी वायरल वीडियो को देखा है। उसकी आंखें शर्म से झुक गई। उसे विश्वास ही नहीं हो रहा है, कि यह भारत की घटना है। प्रधानमंत्री और सत्ता पक्ष के लोग मणिपुर की घटना को लेकर पिछले कई महीनों से मौन साध कर बैठे हुए हैं। कोई भी हिंदू समुदाय, महिलाओं के साथ इस तरह का अमानवीय और अमानुषिक अत्याचार कर सकता है? लोग तो यह भी कहने लगे हैं,कि तालिबान में भी ऐसा कुछ नहीं हुआ। जो भारत में अब धर्म के नाम पर हो रहा है। मणिपुर में जो घटना हुई है उसके बारे में कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति, इस स्तर पर पहुंच जाएगी। हिंदू बहुसंख्यक समाज ने मणिपुर में करके दिखा दिया है। मणिपुर में डबल इंजन की सरकार आरोपियों को बचाने का प्रयास पिछले 2 महीने से कर रही है। यही हिंसा का सबसे बड़ा कारण है। केंद्र सरकार ने मणिपुर में इतनी भारी हिंसा होने के बाद भी, अभी तक मुख्यमंत्री को केंद्र सरकार ने बर्खास्त नहीं किया है। पुलिस ने आरोपियों को बचाने के लिए 1000 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। वीडियो वायरल होने तक, एक भी आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार नहीं किया था। वीडियो वायरल होने के बाद एक आरोपी को आनन-फानन में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात है, कि न्यायपालिका इस मामले में इतने लंबे समय तक चुप्पी साध कर बैठी है। न्यायपालिका का भारत में स्वर्णिम इतिहास रहा है। जब जब सरकारें अति करने लगती हैं। न्यायपालिका ने स्वयं संज्ञान लेकर, इस तरह के मामले में न्याय प्रक्रिया के माध्यम से लोगों के मौलिक अधिकारों और उनके संरक्षण के लिए आदेश करने में कभी कोई गुरेज नहीं किया था। मणिपुर की हाईकोर्ट सैकड़ों लोगों की मौत हो जाने के बाद भी क्या कर रही थी। सुप्रीम कोर्ट ने भी इन ढाई महीनों में क्या किया। इसकी जवाबदारी न्यायपालिका को भी लेनी होगी।

नाश्ते में रवा उपमा खाने से मिलेंगे ये लाभ

नाश्ते में अगर कुछ अच्छा (स्वादिष्ट और हेल्दी) खाने को मिल जाए तो पूरा दिन मूड अच्छा रहता है और आप अपनी प्रॉडक्टिविटी में भी अच्छा परिणाम देखते हैं। बस, जरूर इस बात की है कि हम सभी अपने काम और अपने शरीर की जरूरतों को समझें.लेकिन हममें से ज्यादातर लोग बस यहीं मात खा जाते हैं। आइए, जानते हैं दिन की बेहतर शुरुआत करने में रवा उपमा किस तरह हमारी सहायता कर सकता है.

रवा खाने के फायदे

- दक्षिणी भारत में सूजी को रवा कहा जाता है। उत्तर भारत और हिंदी भाषी राज्यों में सूजी का हलवा जिस तरह आय दिन घरों में बनता है और सभी बहुत चाव से खाते हैं। ठीक इसी तरह सूजी से तैयार उपमा यानी रवा उपमा दक्षिण भारत में बहुत अधिक लोकप्रिय भोजन है।
- रवा यानी सूजी गेहूं से तैयार होती है। यह फाइबर से भरपूर होती है इसलिए इसे पचाना हमारे पाचनतंत्र के लिए आसान होता है।
- फाइबर धीमी गति से डायजेस्ट होता है इसलिए यह लंबे समय तक हमारे शरीर को ऊर्जा देने का काम करता है।
- यानी रवा से बना उपमा खाने के बाद जल्दी से भूख नहीं लगती, नींद नहीं आती और आप लंबे समय स्वयं को तक ऊर्जावान महसूस करते हैं।
- रवा उपमा तैयार करते समय इसमें मौसमी सब्जियां मिलाई जाती हैं। यानी इसे खाने से आपको संपूर्ण पोषण प्राप्त होता है। सब्जियों से विटमिन्स और मिनरल्स साथ ही रवा से दिनभर के लिए ऊर्जा।
- रवा उपमा बनाने में मूंगफली और ड्राई फ्रूट्स का उपयोग किया जाता है। इन्हें खाने से आपको सभी जरूरी अमीनो एसिड्स, ओमेगा-3 फैटी एसिड, फॉलिक एसिड और विटमिन्स तथा मिनरल्स की प्राप्ति होती है।
- रवा उपमा फैट यानी वसा और हानिकारक कॉलेस्ट्रोल से पूरी तरह फ्री होता है। इसलिए यह आपके हार्ट की सेहत के लिए भी एक शानदार नाश्ता है। जो हृदय की पंपिंग को सही बनाए रखने और अपने पौषक तत्वों से रक्त का प्रवाह बनाए रखने का काम करता है।
- रवा उपमा खाने में बहुत अधिक स्वादिष्ट और साथ ही सेहत के गुणों से भरपूर होता है। इसलिए साउथ इंडिया से निकलकर इस फूड ने देश के हर हिस्से और घर में अपनी जगह बना ली है।
- आज के समय में पोहा (मुख्य रूप से मध्य भारतीय आहार) दही चूड़ा (मुख्य रूप से बिहार का भोजन) और रवा उपमा तथा इडली (दक्षिण भारतीय भोजन) अपने-अपने राज्यों की सीमाए पार कर नैशनल फूड बन चुके हैं।
- इसकी खास वजह है कि इन फूड्स को तैयार करने में कम समय लगता है। ये पौषक तत्वों से भरपूर होते हैं और कम ऑइली होने के कारण फिटनेस को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। इसके साथ ही पाचन के लिहाज से बहुत अच्छे होते हैं तो इन्हें खाने के बाद आलस भी नहीं आता है।

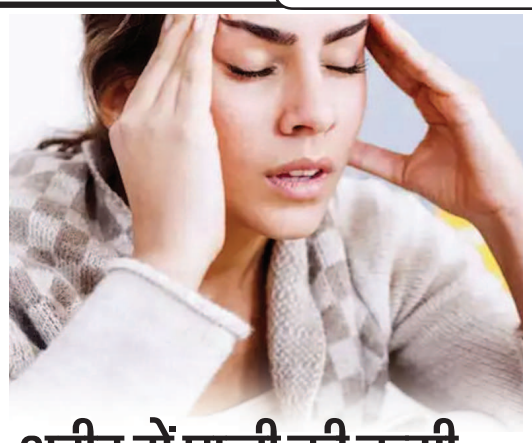

शरीर में पानी की कमी को हल्के में ना लें

शरीर में पानी की कमी को हल्के में ना लें। ये आपको कई गंभीर बीमारियों की तरफ धकेल सकती है. चिकित्सा विज्ञान के अनुसार, हमारे शरीर का 30 प्रतिशत हिस्सा तरल है और बाकी 70 प्रतिशत में अस्थि और मज्जा शामिल है। यही वजह है कि जल को जीवन की संज्ञा दी गई है। क्योंकि मनुष्य बिना भोजन के कुछ समय रह सकता है लेकिन बिना पानी के रहना असंभव होता है। यानी जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। पानी तो हम सभी लोग पीते हैं लेकिन ज्यादातर लोग शरीर की जरूरत के अनुसार उचित मात्रा में पानी नहीं पीते हैं। यही कारण है कि हमारे समाज में बड़े स्तर पर सूखे की बीमारी से पीड़ित पेशंट देखे जा सकते हैं। खासतौर पर गर्मी के मौसम में डिहाइड्रेशन के मरीजों की मानो बाढ़ आ जाती है।

हल्के में ना लें यह समस्या

- आमतौर पर शरीर में पानी की कमी होने को हम सभी बहुत हल्के में लेते हैं। यह एक बड़ी वजह है कि डिहाइड्रेशन के कारण बड़ी संख्या में रोगियों की मृत्यु हो जाती है। आइए, यहां जानते हैं शरीर के उन सामान्य लक्षणों के बारे में जो आपके शरीर में पानी की कमी को दर्शाते हैं। ताकि इन लक्षणों के आधार पर आप तुरंत इस समस्या से निजात पा सकें.

पानी की कमी के सामान्य लक्षण

- जब शरीर में पानी की कमी होती है तो आपके होंठ बहुत सूखे-सूखे हो जाते हैं और उनकी बाहरी त्वचा फटने लगती है। कई बार होठों से खून भी आने लगता है।
- पानी की कमी के कारण गला लगातार सूखा बना रहता है और बार-बार प्यास लगने पर पानी पीने के बाद भी प्यास नहीं मिटती है।
- शरीर में पानी की कमी के कारण सीने पर हल्की जलन, पेट में एसिडिटी या असहजता हो सकती है। साथ ही मुंह से सांसों के साथ लगातार दुर्गंध आती है। ब्रश करने के बाद भी आप सांसों की दुर्गंध फील कर पाते हैं।

यूरिन, स्किन और मसल्स पर असर

- जब शरीर में पानी की कमी होती है तो पेशाब गाढ़े पीले रंग का आता है। इसके साथ मात्रा में सामान्य से कम होता है और पेशाब के बाद प्राइवेट पार्ट में जलन या खुजली की समस्या हो सकती है।
- डिहाइड्रेशन से जूझ रहे लोगों के शरीर की त्वचा भी बहुत रूखी और बेजान नजर आती है। जो लोग लंबे समय से पानी की कमी से जूझ रहे होते हैं, उनकी त्वचा पर कम उम्र में ही झुर्रियां नजर आने लगती हैं।
- पानी की कमी से मांसपेशियों में दर्द, ऐंठन और जकड़न की समस्या हो सकती है। इसके साथ ही सिर में लगातार दर्द बना रहता है। इस कारण रोगी का चेहरा मुर्झाया हुआ और तेजहीन लगता है।
- जो लोग शरीर की जरूरत के अनुसार पानी नहीं पीते हैं, उनकी आंखों के नीचे काले घेरे साफ देखे जा सकते हैं। इन लोगों की आंखें अंदर धसने लगती हैं और इन्हें हर समय कमजोरी का अहसास बना रह सकता है।

सेहत समस्याओं से निजात पाने के लिए पुदीने के घरेलू नुस्खे

गर्मियों का मौसम आते ही भूख कम लगने लगती है, पेट व त्वचा की गर्मी बढ़ जाती है। ऐसे मौसम में ऐसी चीजें खाने की जरूरत होती है जो आपको ठंडक दे और पुदीना इस मौसम के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। गर्मियों में पुदीना या मिंट के अलग-अलग इस्तेमाल से कई सेहत लाभ पाए जा सकते हैं। आइए, जानते हैं पुदीना के ये 8 बेहतरीन घरेलू नुस्खे

- पेट की गर्मी को कम करने के लिए पुदीने का प्रयोग बेहद फायदेमंद है। इसके अलावा यह पेट से संबंधित अन्य समस्याओं से भी जल्द निजात दिलाने में लाभकारी है। इसका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है।
- दिनभर बाहर रहने वाले लोगों को पैर के तलवों में जलन की शिकायत रहती है, ऐसे में उन्हें फ्रिज में रखे हुए पुदीने को पीसकर तलवों पर लगाना चाहिए ताकि तुरंत राहत मिल सके। इससे पैरों की गर्मी भी कम होगी।
- सूखा या गीला पुदीना छाछ, दही, कच्चे आम के पने के साथ मिलाकर पीने पर पेट में होने वाली जलन दूर होगी और ठंडक मिलेगी। गर्मी हवाओं और लू से भी बचाव होगा।
- अगर आपको अक्सर टॉसिल्स की शिकायत रहती है और इसमें होने वाली सूजन से भी आप परेशान हैं तो पुदीने के रस में सादा पानी मिलाकर इस पानी से गरारे करना आपके लिए फायदेमंद होगा।
- गर्मी में पुदीने की चटनी का रोजाना सेवन सेहत से जुड़े कई फायदे देता है। पुदीना, काली मिर्च, हींग, सेंधा नमक, मुनक्का, जीरा, छुहारा सबको मिलाकर चटनी पीस लें। यह चटनी पेट के कई रोगों से बचाव करती है व खाने में भी स्वादिष्ट होती है। भूख न लगने या खाने से अरुचि होने पर भी यह चटनी भूख को खोलती है।
- पुदीने व अदरक का रस थोड़े से शहद में मिलाकर चाटने से खांसी ठीक हो जाती है। वहीं अगर आप लगातार हिचकी आने से परेशान हैं तो पुदीने में चीनी मिलाकर धीरे-धीरे चबाएं। कुछ ही देर में आप हिचकी से निजात पा लेंगे।
- पुदीने की पत्तियों का लेप करने से कई प्रकार के चर्म रोगों को खत्म किया जा सकता है। घाव भरने के लिए भी यह उत्तम है। इसके अलावा गर्मी में इसका लेप चेहरे पर लगाने से त्वचा की गर्मी समाप्त होगी और आप ताजगी का अनुभव करेंगे।
- पुदीने का नियमित रूप से सेवन आपको पीलिया जैसे रोगों से बचाने में सक्षम है। वहीं मूत्र संबंधी रोगों के लिए भी पुदीने का प्रयोग बेहद लाभदायक है। पुदीने के पत्तियों को पीसकर पानी और नींबू के रस के साथ पीने से शरीर की आंतरिक सफाई होगी।

हल्की-हल्की भूख में लें इन तीन सूप का मजा

नाश्ते के बाद और लंच से पहले वाली भूख को हैंडल करने के लिए ज्यादातर लोग चाय, कॉफी या फास्ट फूड और डिब्बाबंद फूड्स का सेवन करते हैं। लेकिन हम यहां आपको चंद मिनट में तैयार होनेवाले उन 3 खास सूप के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपको 'अपनी तो लाइफ सेट है!' जैसा फील देंगे.

वेजिटेबल सूप

- मौसमी सब्जियों के साथ आप मिक्स वेज सूप तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आप किसी एक सब्जी को उबालकर उसका सूप बनाएं और शिमला मिर्च, बीन्स, मशरूम, हरी प्याज और आलू को महीन टुकड़ों में काटकर इन्हें अलग उबाल लें।
- पहले से तैयार सूप में इन सब्जियों को मिलाएं और अपने स्वाद के हिसाब से काला नमक, जीरा पाउडर आदि मिलाएं। ध्यान रखें सूप को गाढ़ा करने के लिए कॉर्नफ्लोर मिलाया जाता है। आप इसका उपयोग कर सकते हैं लेकिन अधिक मात्रा में इसे मिलाने से बचें। नहीं तो यह आपके वजन को बढ़ाने की वजह बन सकता है।

चुकंदर का सूप

- चुकंदर का सूप बनाने के लिए आप टमाटर, आलू, प्याज, लहसुन, काली मिर्च का पाउडर और नींबू का रस जैसी चीजों का उपयोग करते हैं। ये सभी बहुत पौष्टिक और सेहत को फिट रखनेवाली चीजें हैं।
- चुकंदर का सूप तैयार करने के लिए एक कुकर में बारीक कटे प्याज और लहसुन भून लें। इसके बाद कटे हुए चुकंदर, आलू और टमाटर डालकर भूनें। इन्हें दो मिनट पकाने के बाद कुकर को बंद कर दें और इसमें धीमी आंच पर 4 सीटी आने दें।
- तैयार मिश्रण को मिक्सी में डालकर पीसें और गाढ़ा लिक्विड तैयार करें। इसे छान लें और काली मिर्च पाउडर तथा नींबू का रस मिलाकर सूप तैयार करें और इसे हरी धनिया पत्तियों के साथ गार्निश करके सूप का लुत्फ उठाएं।

मूंग दाल का शोरबा

- मूंग दाल का शोरबा मात्र 10 मिनट में तैयार हो जाता है। इसके लिए आप बिना छिलके की मूंग दाल को धुलकर कुकर में 3 से 4 सीटी लगा लें। इसे तैयार करते समय आपको पानी की मात्रा सामान्य दाल बनाने से दोगुना रखें और गैस की धीमी आंच पर रखकर ही पकाएं।
- अब इसमें हरी धनिया पत्ती, बारीक कटी हरी मिर्च, बारीक कटा कच्चा प्याज मिलाकर तड़का लगा दें। मसलों के नाम पर इसमें सिर्फ हल्दी पाउडर का उपयोग करें, हल्का काला नमक मिलाएं और काली मिर्च पाउडर मिक्स करके गर्मागर्म शोरबा का लुत्फ उठाएं।

वजन घटाने के लिए लोग न जानें कितनी प्रकार की डायट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डायट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्सट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती हैं। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है। यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

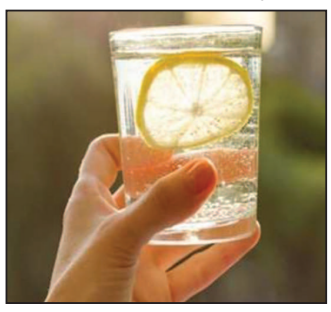

डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए।

मेटाबोलिज्म बढ़ाने के लिए चाय आजमाएं

अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूकस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।

कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एपल, क्रैनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

सिलेरी जूस (अजमोद का रस)

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।

वजन घटाने के पांच बुनियादी नियम भी जानें

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

हैवेल्स इंडिया कंपनी का 18 प्रतिशत बढ़ा मुनाफा

नई दिल्ली । हैवेल्स इंडिया कंपनी का पहली तिमाही में 18 प्रे तिशत मुनाफा बढ़ गया है। बिजली के सामान और अप्लायंस बनाने वाली कंपनी हैवेल्स इंडिया ने गुरुवार को कहा कि 30 जून, 2023 को समाप्त पहली तिमाही में उसका समेकित शुद्ध लाभ 18 प्रतिशत बढ़कर 287 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष अप्रैल-जून में 243 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट दर्ज किया था। कंपनी ने एक्सचेंजों को फाइलिंग में बताया कि जून तिमाही में कुल आय बढ़कर 4,899 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले की अवधि में 4,292 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने कहा कि पहली तिमाही में उपभोक्ता मांग सुस्त रही, हालांकि हाल ही में इसमें तेजी आई है। वहीं बीएसई पर हैवल्स इंडिया के शेयर 0.75 प्रतिशत बढ़कर 1,374 रुपये पर कारोबार कर रहे थे।

एलिस्टा ने आंध्र प्रदेश सरकार के साथ एमओयू साइन किया

अमरावती । एलिस्टा ने दूसरी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट शुरू करने के लिए आंध्र प्रदेश सरकार के साथ एमओयू साइन किया है। इस प्लांट में स्मार्टवॉच और स्पीकर जैसे इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट बनाए जाएंगे, जो भारत में सस्ते में बिक्री के लिए उपलब्ध रहने वाले है। यह प्लांट अगले साल यानी 2024 तक चालू होगा, जिससे रोजगार के नए अवसर भी पैदा होने वाले हैं। मोदी सरकार की तरफ से लगातार मेक इन इंडिया मुहिम को बढ़ावा दिया जा रहा है। जिससे भारत में स्मार्ट टीवी, स्मार्टवॉच और स्पीकर जैसे इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट को बड़े स्तर पर पूरी तरह से तैयार किया जा सके। भारत में इन प्रोडक्ट के बनने के दोहरा फायदा होगा, जहां एक तरफ इन प्रोडक्ट की लागत में कमी आएगी, वहीं दूसरी तरफ भारत में युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा होगा। बता दें कि इलेक्ट्रॉनिक और होम एप्लाएंसेस ब्रांड एलिस्टा ने आंध्र प्रदेश सरकार के साथ एक एमओयू साइन किया है, जिसमें एलिस्टा आंध्र प्रदेश में 100 करोड़ रुपये की लागत से अपनी दूसरी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट शुरू करने की योजना बना रही है। एलिस्टा ने हाल ही में 1.32 लाख स्क्वॉयर फीट में एक मॉडर्न फैसिलिटी आंध्र प्रदेश में शुरू करने का ऐलान किया है, जिसपर करीब 250 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। यह मैन्युफैक्चरिंग प्लांट दिसंबर 2024 या फिर 2025 के शुरुआत तक चालू हो जाएगा, जिसमें स्मार्टवॉच सहित कई अन्य तरह के इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट बनाए जाएंगे। कंपनी अगले वित्त वर्ष से इस कैटेगरी से 50 करोड़ रुपये रेवेन्यू जनरेट करने की प्लानिंग कर रही है। इस प्लांट में 10 लाख स्मार्चवॉच और 2 लाख स्पीकर के प्रोडक्शन की कैपेसिटी है। साथ ही 500 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। गौरतलब है कि कंपनी अपने पहले प्लांट में टीवी और एलईडी मॉनिटर की मैन्युफैक्चरिंग करेगी जबकि दूसरे प्लांट में ऑडियो स्पीकर, स्मार्टवॉच और लॉर्ज एप्लाइंसेस का निर्माण होगा।

इंफ्रा बॉन्ड के जरिए 10,000 करोड़ रुपये जुटाएगा एसबीआई!

मुंबई । देश का सबसे बड़ा सरकारी बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया जुलाई माह के अंत तक 10 हजार करोड़ रुपये तक का फंड जुटाने की योजना बना रहा है। एसबीआई इन्फ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड्स की बिक्री के द्वारा ये फंड जुटा सकता है। बैंक से संबंधित सूत्रों ने बताया कि बैंक 5,000 करोड़ रुपये के बेस साइज एवं 5,000 करोड़ रुपये के ग्रीन शू ऑप्शन के साथ 15 साल के इन्फ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड्स जारी कर सकता है। इसी साल जनवरी महीने में बैंक ने इन्फ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड्स जारी किए थे, इन बॉन्ड्स की 15-साल की मैच्योरिटी थी। बता दें कि ये पहली बार थी जब किसी भी भारतीय बैंक ने 15 साल की मैच्योरिटी अवधि के इस तरह के बॉन्ड जारी किए थे। बैंक का अनुमान है कि 15 साल के इन्फ्रास्ट्रक्चर ब्रैकेट में अधिक (बॉन्ड्स) इश्यू किए जाने से लंबी अवधि के मैच्योरिटी सेग्मेंट में अधिक फंड जुटाने को प्रोत्साहन मिलेगा जिससे इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग लिए बेहतर कीमत तय करने में मदद मिलेगी। इन्फ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड लंबी अवधि के डेट इंस्ट्रुमेंट्स होते हैं जिनकी मैच्योरिटी अवधि कम-से-कम सात साल की होती है।

माइक्रोसॉफ्ट ने 1 हजार कर्मचारियों की छंटनी की

सैन फांसिस्को ।

माइक्रोसॉफ्ट ने पिछले सप्ताह अपने कर्मचारियों की संख्या में एक हजार की छंटनी कर दी। इसमें से ज्यादातर बिक्री और ग्राहक सेवा टीमों से हैं। रिपोर्ट में सूत्रों का हवाला देकर बताया कि नई छंटनी उन 10 हजार नौकरियों से अधिक है, जिन्हें तकनीकी दिग्गज ने इस साल की शुरुआत में खत्म करने की योजना बनाई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत में बदलाव करना माइक्रोसाफ्ट के लिए एक नियमित प्रक्रिया है, जो 1 जुलाई से शुरू हुई है।

माइक्रोसॉफ्ट ने कथित तौर पर अपनी बिक्री और ग्राहक सेवा टीम डिजिटल सेल्स एंड सक्सेस समूह को बंद कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने ग्राहक समाधान प्रबंधक की भूमिका को भी समाप्त कर दिया, कुछ कर्मचारियों को ग्राहक सफलता खाता प्रबंधन नामक एक अन्य भूमिका में स्थानांतरित कर दिया। नौकरी में कटौती का असर इंजीनियरिंग परियोजना प्रबंधकों और विपणन विभाग के कर्मचारियों पर भी पड़ा। पिछले हफ्ते, रिपोर्टें सामने आईं कि माइक्रोसॉफ्ट ने नौकरी में कटौती के नए दौर में 276 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है, इनमें से ज्यादातर ग्राहक सेवा, सहायता और बिक्री टीमों से हैं।

प्रमुख पेशेवर नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म लिंक्डइन पर कई पोस्टों से नौकरियों में कटौती का पता चला है, जो टीमों में ग्राहक सहायता और बिक्री नौकरियों को लक्षित करती है। मई में, माइक्रोसॉफ्ट ने वाशिंगटन राज्य में 158 नौकरियाँ कम कर दीं जो पहले घोषित 10 हजार नौकरियों का हिस्सा नहीं थीं। रिपोर्टों के अनुसार, इस वर्ष की शुरुआत में घोषित छंटनी से सिएटल-क्षेत्र के 2,700 से अधिक कर्मचारी प्रभावित हुए हैं। तकनीकी दिग्गज के पास 2 लाख 20 हजार से अधिक कर्मचारी हैं (जैसा कि इस वर्ष की शुरुआत में रिपोर्ट किया गया था)।

रुपया बढ़त के साथ बंद

नई दिल्ली। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 9 पैसे की बढ़त के साथ ही 81.09 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपये में छह पैसे की बढ़त दर्ज की गयी। विदेशी मुद्रा व्यापारियों के अनुसार कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से रुपया की तेजी पर अंकुश लगा है। इंटरबैंक विदेशी मुद्रा कारोबार में आज रुपया 82.05 पर खुला। इसके बाद ये अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.02 के उच्च स्तर पर पहुंच गया। ये पिछले बंद भाव के मुकाबले 6 पैसे की बढ़त को दिखाता है। गत दिवस डॉलर के मुकाबले रुपया 82.08 पर बंद हुआ था। अमेरिकी डॉलर 0.22 फीसदी नीचे आकर 100.06 पर पहुंच गया।

विदेश निवेशक हुए मेहरबान, देश की सातवीं सबसे बड़ी कंपनी बनी ये सिगरेट कंपनी

मुंबई ।

देश की दूसरी सबसे बड़ी एफएमसीजी कंपनी आईटीसी (आईटीसी) के शेयरों में ताबड़तोड़ तेजी है। गुरुवार को आईटीसी ने एक और कीर्तिमान अपने नाम कर लिया। मार्केट कैप के लिहाज से यह देश की सातवीं सबसे बड़ी कंपनी बन गई है और इसका बाजार पूंजीकरण अब बढ़कर 6 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। गुरुवार, 20 जुलाई को आईटीसी शेयरों ने अपना रिकॉर्ड हाई बनाया। आईटीसी शेयर 2 फीसदी से ज यादा उछलकर 491.70 रुपये पर पहुंच गए। मार्केट कैप के हिसाब से यह देश की सातवीं सबसे बड़ी कंपनी बन गई है। आईटीसी के शेयरों में तेजी विदेशी संस्थागत निवेशकों के दमदार सपोर्ट के कारण आई है। विदेशी निवेशक जमकर इस देशी कंपनी में पैसा लगा रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर 2021 तिमाही में एफआईआई की आईटीसी में 10 फीसदी हिस्सेदारी थी जो मार्च 2022 तिमाही में 12 फीसदी और अप्रैल-जून 2022 में 12.7 फीसदी पर पहुंच गई। जुलाई-सितंबर 2022 में एफआईआई हिस्सेदारी 42.7 फीसदी पर पहुंच गई. जून 2023 तिमाही में यह बढ़कर 43.6 फीसदी पर पहुंच गई। एक रिपोर्ट के अनुसार, इसके सिगरेट कारोबार में आगे भी अच्छी ग्रोथ के आसार दिख रहे हैं। वहीं, सिगरेट के अलावा बाकी कारोबार में भी मुनाफे वाली ग्रोथ और रिटर्न प्रोफाइल सुधरने के आसार हैं। एफएंडबी, एग्री एक्सपोर्ट और पेपर की मांग बढ़ी है, जिसका फायदा आईटीसी को मिलेगा। कंपनी का होटल कारोबार में भी मजबूती दिख रही है।

शेयर बाजार में रिकार्ड तेजी, 20,000 के करीब पहुंचा निफ्टी

सेंसेक्स 67,500 के ऊपर निकला

मुम्बई ।

शेयर बाजार गुरुवार को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा। दुनिया भर से प्राप्त मिले-जुले संकेतों से शुरुआती उतार-चढ़ाव के बाद बाजार ने लिवाली (खरीददारी) होने से गति हासिल की। एक बार जो तेजी आई तो बाजार में उछाल आता गया। इस कारण कारोबार समाप्त होने के समय तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स और पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी बढ़त पर बंद हुआ। इंट्रा-डे कामकाज में में भी आज जबरदस्त तेजी रही।

दिन भर के कारोबार के बाद सेंसेक्स 474.46 अंक करीब 0.71 फीसदी बढ़कर 67,571.90 अंक जबकि पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 146.00 अंक तकरीबन 0.74 फीसदी ऊपर आया। निफ्टी दिन के अंत में 19,979.15 अंक की नई रिकॉर्ड ऊंचाई पर भी पहुंचा। वहीं गत पिछले कारोबारी सत्र में, भी बाजार बढ़त पर बंद हुआ था। आज के कारोबार में में सेंसेक्स के शेयरों में से 22 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। आई, कोटक बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति और भारतीय एयरटेल सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयर रहे। वहीं दूसरी ओर इंफोसिस, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचसीएल टेक, बजाज फिनसर्व और टाइटन सेंसेक्स के शीर्ष पांच लाभ वाले शेयर रहे। इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार की कमजोर शुरुआत हुई सुबह कारोबार के दौरान तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 68.90 अंक करीब 0.10 फीसदी नीचे आकर 67,028.54 के स्तर पर बना हुआ था। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 29.00 अंक तकरीबन 0.01 फीसदी नीचे आकर 19804.20 के स्तर पर बना हुआ था। वहीं आज सुबह प्री-ओपनिंग सत्र के दौरान बाजार की चाल सपाट रही। सेंसेक्स 15.14 अंक करीब 0.02 फीसदी नीचे आकर 67,112.58 के स्तर पर कारोबार कर रहा था जबकि निफ्टी 11.60 अंक तकरीबन 0.06 फीसदी गिरावट के साथ ही 19,844.80 के स्तर पर बना हुआ था। आज दुनिया भर के बाजारों से मिश्रित संकेत मिले। एशिया के बाजारों में कमजोरी रही। जीआईएफटी निफ्टी की बात करें तो यहां पर भी हल्का दबाव देखने को मिल रहा है। हालांकि अमेरिकी बाजार गत दिवस बढ़त पर बंद हुए थे। डाओ में लगातार 8वें दिन उछाल दर्ज किया गया।

इंफोसिस लिमिटेड को 10.9 फीसदी का नेट प्रॉफिट हुआ

मुंबई ।

इंफोसिस लिमिटेड ने गुरुवार को अप्रैल-जून 2023 को समाप्त तिमाही के लिए अपनी आय के बारे में जानकारी दी। टॉप आईटी कंपनी को 10.9 फीसदी का नेट प्रॉफिट हुआ। कंपनी ने पहली तिमाही वित्तीय साल 24 में सालाना आधार पर 59.45 अरब रुपये का मुनाफा दर्ज किया। वित्तीय वर्ष 24 की चौथी तिमाही में नेट प्रॉफिट 6,128 करोड़ रुपये रहा था। भारत की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इंफोसिस ने एक साल पहले समान अवधि में 3.2 फीसदी के साथ 5,360 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया था। इंफोसिस ने वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में समेकित राजस्व में 10 फीसदी की सालाना वृद्धि के साथ 37933 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की। वहीं तिमाही आधार पर रेवेन्यू में 4.2 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। एक साल पहले की समान अवधि में सालाना आधार पर कंपनी ने 23.6 फीसदी बढ़ोतरी के साथ 34,470 करोड़ रुपये का रेवेन्यू दर्ज किया था। बता दें कि पूरे वित्त वर्ष 2023 के लिए कंपनी का नेट प्रॉफिट इसके पिछले साल के मुकाबले 9 प्रतिशत बढ़कर 24,095 करोड़ रुपये पहुंच गया था, जबकि राजस्व 20.7 प्रतिशत अधिक 146,767 करोड़ रुपये था। इंफोसिस के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) नीलांजन रॉय ने कहा, भले ही आर्थिक हालात अनिश्चित थे, लेकिन साल

के पहले तीन महीनों में, कंपनी ने अपने खर्चे को मैनेज करने में अच्छा काम किया। उन्होंने अपना काम प्रभावी ढंग से करते हुए कम पैसे खर्च करने के तरीके खोजने पर ध्यान लगाया। अपने खर्चों के प्रति सावधान रहने और अधिक कुशलता से काम करने के कारण, वे उस दौरान अच्छा मुनाफा कमाने में कामयाब रहे। इंफोसिस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) सलिल पारेख ने कहा, वर्ष के पहले तीन महीनों में, कंपनी ने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया और कारोबार में 4.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। हमें 2.3 बिलियन डॉलर की कुछ बड़ी डील भी मिलीं, जिससे हमें भविष्य में और भी ज्यादा बढ़ने में मदद मिलेगी। हम एआई का उपयोग कर रहे हैं जो 80 ग्राहकों की समस्याओं का समाधान कर सकता है।

घरेल बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में गुरुवार को कच्चे तेल की कीमतें 80 डॉलर के आसपास बनी हुई हैं। वहीं घरेलू बाजार में भी पेट्रोल-डीजल की रिटेल कीमतों में बदलाव आया है। कहीं पर कीमतें कम हुई हैं जबकि कहीं बढ़ीं हैं। लखनऊ में पेट्रोल 15 पैसे सस्ता होने के बाद 96.47 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। डीजल भी यहां 15 पैसे नीचे आकर 89.66 रुपये लीटर हो गया है जबकि बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 35 पैसे बढ़कर 107.59 रुपये लीटर और डीजल 32 पैसे ऊपर आकर 94.36 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। गुरुग्राम में भी पेट्रोल 40 पैसे बढ़कर 97.11 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है, जबकि डीजल 38 पैसे बढ़कर 89.97 रुपये प्रति लीटर हो गया है। नोएडा और गाजियाबाद में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में किसी प्रकार का बदलाव नहीं हुआ। कच्चे तेल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। ब्रेंट क्रूड की कीमतें नीचे आकर 79.50 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर हैं। डब्ल्यूटीआई के दाम भी ग्लोबल मार्केट में 75.27 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गये हैं। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 97.11 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है।

रियलमी सी 53 स्मार्टफोन लांच, अपनी खूबियों से ग्राहकों की पंसद बना

रियलमी सी 53 स्मार्टफोन लांच , अपनी खूबियों से ग्राहकों की पंसद बना

मुंबई ।

रियलमी अपनी नवीनतम पेशकश रियलमी सी53 के साथ स्मार्टफोन डिजाइन की सीमाओं को आगे बढ़ा रहा है। रियलमी ने एक स्लीक और स्टाइलिश डिजाइन पेश कर एक बार फिर अपने बेंचमार्क को ऊपर उठाया है जो निश्चित रूप से लोगों को लुभाएगा। स्मार्टफोन की दुनिया में डिजाइन के मामले में रियलमी सी53 बाजार का प्रतिनिधित्व करता है। बारीकियों पर ध्यान देकर रियलमी ने एक ऐसा उपकरण तैयार किया है जो कार्यक्षमता से समझौता किए बिना प्रीमियम क्वालिटी पेश करता है। इसके आकर्षण को बढ़ाते हुए रियलमी सी53 में नैनोस्केल कोटिंग्स की 6 परतें हैं। 3डी गोल्ड लाइट इफेक्ट के साथ इसे बेहतर लुक देती है। 320 एनएम की मोटी कोटिंग और यूवी ट्रांसफर बनावट का उपयोग करते हुए यह फोन लेंस मॉड्यूल के चारों ओर गोल्डन लाइट इफेक्ट देता है। यह युवाओं के लिए के बेहतर चीज है। इसके अलावा, फोन में महीन ग्लास को पारदर्शी क्रिस्टल में शामिल किया गया है, जो लाइट पड़ने पर बेहतर इफेक्ट पैदा करते है। रियलमी सी53 फोन 7.99 मिमी पतला है और डिवाइस की पतली प्रोफ़ाइल न केवल इसकी लुक को बढ़ाती है बल्कि इसे उपयोग करने में

भी आरामदायक बनाती है। पहले की तुलना में रियलमी सी53 लेंस मॉड्यूल से अपने आप का अलग बनाता है। रियलमी सी53 चैंपियन गोल्ड और चैंपियन ब्लैक रंगों में उपलब्ध है। यह दोनों स्मार्टफोन अपने लुक से अलग ही नजर आते हैं।

अपग्रैड की मुंबई ऑफिस पहुंचे जीएसटी अधिकारी....मचा हड़कंप

मुंबई ।

देश-विदेश की यूनिवर्सिटीज से ऑनलाइन एमबीए और पीएचडी कराने वाली एडटेक कंपनी अपग्रैड की मुंबई ऑफिस में अचानक से जीएसटी अधिकारी पहुंचे और जांच करने लगे। रोनी स्क्रूवाला की यह कंपनी भारत की दूसरी ऐसी कंपनी है, जहां जांच एजेंसियों ने दस्तक दी है। इसके पहले बैजूस की तीन ऑफिसों में केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी कार्रवाई करने पहुंची थी। जीएसटी अधिकारियों की टीम जब अपग्रैड की ऑफिस में पहुंची, तब सभी जगह हलचल हुई और इसके बाद कंपनी को मामले की जानकारी सार्वेजानिक करनी पड़ी। एडटेक यूनिकॉर्न अपग्रैड ने अपने अधिकारिक बयान में कहा कि जीएसटी अधिकारियों की तरफ से दी गई दस्तक महज एक रुटीन सर्वे था। रिपोर्ट के मुताबिक, अपग्रैड के लीगल हेड कोएल हेमदेव ने कहा कि यह एक रुटीन सर्वे हैं और फर्म जीएसटी अधिकारियों की जांच में सहयोग कर रही है। बता दें कि किसी स्टार्टअप के लिए सरकारी अधिकारियों की नजर में आने वाला यह दूसरा मामला है। इससे पहले, बैजूस को वित्तीय रिपोर्ट को जमा करने में देरी और कॉरपोरेट गवर्नेंस के मुद्दों पर चिंताओं के कारण प्रवर्तन निदेशालय और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) की तरफ से जांच का सामना करना पड़ा था। वित्तीय वर्ष 2021-22 में अपग्रैड के राजस्व में बेहतरीन

बढ़ोतरी देखने को मिली। फर्म का राजस्व समेकित आधार पर बढ़कर 682.21 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि, कर्मचारी लाभ लागत में बढ़ोतरी के कारण कंपनी को 626 करोड़ रुपये का जबरदस्त घाटा भी हुआ।

फिनो पेमेंट्स बैंक एक लघु वित्त बैंक बनने की तैयारी में, आरबीआई को आवेदन कर रहा

मुंबई ।

फिनो पेमेंट्स बैंक अपने परिचालन के पांच साल पूरे करने के बाद अब एक लघु वित्त बैंक बनने का इच्छुक है। कंपनी के प्रबंध निदेशक ऋषि गुप्ता ने यह बात कही है। फिनो पेटेक की अनुषंगी फिनो पेमेंट्स बैंक को भारत पेट्रोलियम, आईसीआईसीआई ग्रुप, ब्लैकस्टोन, आईएफसी, इन्टेल और एलआईसी जैसे प्रमुख निवेशकों का समर्थन प्राप्त है। कंपनी ने जुलाई 2017 में 410 शाखाओं के साथ परिचालन शुरू किया था। यह एयरटेल पेमेंट्स बैंक, इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक और पेटीएम पेमेंट्स बैंक के बाद चौथा भुगतान बैंक है। फिनो एक रेमिटेंस सेवा प्रदाता यानी धन प्रेषण कंपनी है।

इतना ही नहीं इसने रिजर्व बैंक से लाइसेंस मिलने के बाद अपने अधिकांश फिनो मनी मार्ट आउटलेट को बैंक शाखाओं में बदल दिया है। इसके अलावा फिनो इस क्षेत्र की एकमात्र ऋणदाता है जिसके शेयरों का एक्सचेंज में कारोबार होता है। कंपनी के प्रबंध निदेशक, हमने परिचालन के पांच साल पूरे किए हैं। नियामकीय और अनुपालन के द्वारा से हम अब लघु वित्त बैंक बनने के पात्र हैं। हमारा निदेशक मंडल भी यह बदलाव चाहता है।

हम जल्द इस बारे में रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पास आवेदन करने जा रहे हैं।'' यह पूछे जाने पर कि कंपनी लघु वित्त बैंक के बजाय पूर्ण सेवा बैंक बनने का प्रयास क्यों नहीं कर रही है, गुप्ता ने कहा, हमारी कंपनी पूंजी और क्षमता के दृष्टिकोण से पूर्ण सेवा वाणिज्यिक बैंक में बदलाव के लिए बहुत छोटी है।

भारतीय अर्थव्यवस्था निश्चित रूप से बड़ी हो रही, 2050 में इसका आकार अमेरिका के बराबर होगा : वुल्फ

मुंबई । भारतीय अर्थव्यवस्था निश्चित रूप से दुनिया में' तेजी से एक बड़ी ताकत बनने की ओर अग्रसर है। इतना ही नहीं 2050 तक इसका आकार अमेरिका के बराबर होगा। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री और टिप्पणीकार मार्टिन वुल्फ ने यह बात कही है। वुल्फ ने कहा कि पश्चिमी देशों के नेता सोच-विचार कर भारत पर दांव लगा रहे हैं। वुल्क ने कहा, ''मैं मानता हूं कि भारत 2050 तक प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि को पांच प्रतिशत या इसके आसपास बनाए रख सकता है। बेहतर नीतियों से वृद्धि इससे ऊंची भी रह सकती है। हालांकि, यह इससे कुछ कम भी रह सकती है।'' उन्होंने कहा कि भारत 'चीन प्लस वन' रणनीति को अपनाने वाली कंपनियों के लिए एक प्रमुख गंतव्य है। बड़े घरेलू बाजार की वजह से इस मामले में अन्य प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में भारत लाभ की स्थिति में है। भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। क्रय शक्ति के मामले में यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि 2050 तक देश की जनसंख्या 1.67 अरब पर पहुंच जाएगी। अभी भारत की आबादी 1.43 अरब है। वुल्फ ने कहा कि देश के बैंकों का बही-खाता बेहतर हो गया है। ऋण वृद्धि भी अब बेहतर हो रही है। उन्होंने लिखा कि आगामी दशकों में देश की अर्थव्यवस्था और आबादी दोनों तेजी से बढ़ेगी।

वुल्फ ने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कभी प्रतिबंधित रहे नरेन्द्र मोदी का वॉशिंगटन में गर्मजोशी से स्वागत किया। पेरिस में इमैनुएल मैत्रों ने भी भारतीय नेता को उतनी ही गर्मजोशी से गले लगाया। यह उस देश के साथ नजदीकी संबंधों को दिखाता है, जो चीन के लिए शक्तिशाली प्रतिद्वंद्वी साबित हो सकता है। उन्होंने कहा, ''क्या यह पश्चिमी ताकतों का अच्छा दांव है? हां, निश्चित रूप से भारत तेजी से बढ़ती ताकत है। उनके हितों में भी सामंजस्य है।''वुल्फ ने कहा कि यदि वैश्विक या घरेलू स्तर पर कोई बड़े झटके नहीं लगते हैं, तब यह वृद्धि पिछले तीन दशक के औसत के बराबर होगी। उन्होंने कहा कि भारत एक युवा देश है, जिसके श्रमबल की गुणवत्ता में सुधार की संभावना है, बचत की दर काफी ऊंची है और अधिक समृद्धि की व्यापक उम्मीदें हैं। वुल्फ ने कहा कि 2050 तक भारत का प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (क्रय शक्ति के आधार पर) उसी स्तर पर होगा, जहां आज चीन है।

एमर्जिंग एशिया कप : सेमीफाइनल में भारत ए की निगाहें शानदार प्रदर्शन जारी रखने पर

कोलंबो (एजेंसी)। लीग चरण में दमदार प्रदर्शन करने के बाद भारत ए शुक्रवार को यहां बांग्लादेश ए के खिलाफ होने वाले सेमीफाइनल में जीत से एमर्जिंग एशिया कप के फाइनल में पहुंचने का प्रबल दावेदार होगा। भारत को अभी तक टूर्नामेंट में हार का सामना नही करना पड़ा है और सभी जीत में सबसे अहम पहलू यही रहा है कि प्रत्येक मुकाबले में जरूरत पड़ने पर कई मैच विजेता देखने को मिले।

अब प्रतिस्पर्धी टीम बांग्लादेश के खिलाफ भारत की निगाहें सभी विभागों में शानदार प्रदर्शन जारी रखने पर लगी होगी। तेज गेंदबाज हर्षित राणा (41 रन देकर चार विकेट) और कप्तान यश धुल (108 रन) टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी रहे जिससे टीम ने आठ विकेट से जीत हासिल की। लेकिन नेपाल के खिलाफ मैच में बायें हाथ के स्पिनर निशांत सिंधू (14 रन देकर चार विकेट) के शानदार प्रदर्शन के बाद सलामी बल्लेबाज बी साई सुदर्शन (58 रन) और अभिषेक शर्मा (87 रन) ने नौ विकेट की जीत में अहम भूमिका निभाई।

टूर्नामेंट में आठ विकेट से सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले आलराउंडर राजवर्धन हांगरगेकर ने भी इस मैच में योगदान दिया और तीन विकेट झटके। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ महत्वपूर्ण मैच में आठविकेट से जीत हासिल की। इस मैच में मानव सुथार और निकिन जोश के अलावा साई सुदर्शन और हांगरकेकर का प्रदर्शन शानदार रहा। हांगरगेकर (42 रन देकर पांच विकेट) ने पांच विकेट झटके जबकि साई सुदर्शन (104 रन) ने शतक जड़कर सुर्खियां बटोरी। लेकिन निकिन (53 रन) और बायें हाथ के स्पिनर सुथार (36 रन देकर तीन विकेट) ने भी अच्छा योगदान दिया। लेकिन बांग्लादेश की टीम को अब कहीं से भी हल्के में नहीं लिया जा सकता।

टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में श्रीलंका के खिलाफ मिली हार के बाद बांग्लादेश ने अच्छी वापसी करते हुए ओमान और अफगानिस्तान को हराकर अंतिम चार चरण में जगह बनाई। तंजिद हसन और महमुदुल हसन ने बल्लेबाजी की जिम्मेदारी बखूबी संभाली, इन दोनों ने क्रमश= 128 और 111 रन बनाये। वहीं तेज गेंदबाज तंजिम साकिब ने उनकी गेंदबाजी की अगुआई करते हुए सात विकेट झटके। बांग्लादेश की टीम उम्मीद करेगी कि उनके अनुभवी खिलाड़ी सौम्य सरकार भारत के खिलाफ प्रभावित कर सकें।

भारत की निगाहें पाकिस्तान और मेजबान श्रीलंका के बीच होने वाले पहले सेमीफाइनल के नतीजे पर भी लगी होंगी। श्रीलंका ए बनाम पाकिस्तान ए के बीच सेमीफाइनल भारतीय समयानुसार सुबह 10 बजे शुरु होगा जबकि भारत एक की भिड़ंत बांग्लादेश ए से दोपहर दो बजे होगी।

600 विकेट लेने वाले इंग्लैंड के दूसरे और विश्व के पांचवे गेंदबाज बने ब्रॉड

मैनचेस्टर (एजेंसी)। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरु हुए एशेज क्रिकेट सीरीज के चौथे टेस्ट मैच के पहले ही दिन अपने 600 विकेट पूरे एक लिए। इसी के साथ ही ब्रॉड टेस्ट क्रिकेट में 600 विकेट लेने वाले इंग्लैंड के दूसरे और विश्व के पांचवें तेज गेंदबाज बन गए हैं। ब्रॉड ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रैविस हेड को आउट करते ही अपने 600 विकेट पूरे किये। इससे पहले इंग्लैंड की ओर से केवल तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन के नाम ही 600 से अधिक टेस्ट विकेट थे। वहीं दुनिया भर की बात की जाये तो श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन (800), ऑस्ट्रेलिया के शेन वार्न (708), जेम्स एंडरसन (688) और भारत के अनिल कुंबले (619) विकेट के बाद टेस्ट में 600 विकेट लेने वाले ब्रॉड पांचवें गेंदबाज बन गये हैं। ब्रॉड ने ओल्ड ट्रैफर्ड टेस्ट से पहले 598 विकेट लिए थे। उन्होंने पहले दिन दो विकेट लिए। उसमान ख्वाजा का विकेट लेने के साथ ही उनके नाम 599 विकेट हो गये। हेड को आउट करते हुए ब्रॉड ने 600 विकेट लेकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की।

आकाश ने विश्वकप के लिए बनायी अपनी पसंदीदा भारतीय टीम

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने आगामी एकदिवसीय विश्व कप 2023 के लिए अपनी पसंदीदा भारतीय टीम बनायी है। आकाश की इस टीम के अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों में विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन को सलामी बल्लेबाज के तौर पर तीसरे विकल्प के रूप में रखा गया है। हैरानी की बात ये है कि आकाश की इस टीम में आक्रामक बल्लेबाज बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को भी अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली है। कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल पारी शुरुआत करेंगे

चोपड़ा ने कहा, शुभमन के साथ रोहित पारी शुरु करेंगे। विराट कोहली हैं क्योंकि ऋषभ पंत टीम में नहीं हैं। श्रेयस अय्यर, केएल राहुल और रवींद्र जडेजा भी इस टीम में हैं। हार्दिक पांड्या भी टीम में रहेंगे। साथ ही कहा कि ईशान को मध्यक्रम के विकल्प के रूप में नहीं रखा गया है। वह कीपर-बल्लेबाज के रूप में तीसरा विकल्प हो सकते हैं। आपको एक बाएं हाथ के बल्लेबाज की जरूरत है और उसके पास एकदिवसीय में दोहरा शतक भी है।

वहीं गेंदबाजी को लेकर इस पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा कि कुलदीप यादव के साथ कलाई के स्पिनर युजवेंद्र चहल को भी होना चाहिए। चोपड़ा ने कहा, गेंदबाजी में, मोहम्मद सिराज, मोहम्मद शमी, और फिर मैं युजवेंद्र चहल को देखूंगा। मैं कुलदीप यादव के बारे में भी सोचूंगा। मैं अभी अपनी टीम तय नहीं कर सकता क्योंकि हमें जसप्रीत बुमराह, श्रेयस अय्यर और केएल राहुल की फिटनेस पर इंतजार करना होगा।

आकाश चोपड़ा की संभावित अंतिम 11- रोहित शर्मा, शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, रवींद्र जडेजा, हार्दिक पांड्या, मोहम्मद सिराज, मोहम्मद शमी, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव।

एशेज टेस्ट 2023: आस्ट्रेलिया 317 रन पर सिमटा, लंच तक इंग्लैंड ने एक विकेट गंवाया

मैनचेस्टर (इंग्लैंड) (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई टीम गुरुवार को यहां चौथे एशेज टेस्ट के दूसरे दिन सुबह पहली पारी में 317 रन पर सिमट गयी जिसके बाद लंच ब्रेक तक इंग्लैंड ने एक विकेट गंवाकर 61 रन बना लिए।

इंग्लैंड ने तीसरे ही ओवर में बेन डकेट (01) का विकेट गंवा दिया जो तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क की स्टंप के बाहर जाती गेंद पर बल्ला छुआने से विकेटकीपर के हाथों कैच आउट हुए। उनके साथी सलामी बल्लेबाज जाक क्राउले 26 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं और तीसरे नंबर के बल्लेबाज मोईन अली 31 रन बनाकर उनका साथ निभा रहे हैं।

क्राउले जब 12 रन के स्कोर पर थे, तब डेविड वॉर्नर के हाथों कैच

आउट होने से बचे। फिर उन्हें 20 रन पर आउट दिया गया और उन्होंने रिव्यू लिया जिसमें वह सफल रहे क्योंकि गेंद लेग स्टंप से करीब से चूक गयी थी। मोईन अली इस दौरान क्रीज पर सहज दिखे, उन्होंने जोश हेजलवुड पर दो बाउंड्री लगयी और फिर पैट कमिंस की लगातार दो गेंदों को सीमारेखा के पार पहुंचाकर टेस्ट में 3,000 रन पूरे किए।

ऑस्ट्रेलिया ने सुबह आठ विकेट पर 299 रन से खेलना शुरू किया और टीम 7.2 ओवर में 18 रन जोड़कर 317 रन पर सिमट गयी। कमिंस दिन की पहली गेंद पर आउट हुए जिन्हें जेम्स एंडरसन ने कवर प्वाइंट पर स्टुअर्ट ब्राड के हाथों कैच आउट कराया।

यह एंडरसन का पारी का पहला विकेट था जिससे इंग्लैंड के सभी पांच गेंदबाजों ने कम से एक एक विकेट झटका। क्रिस वोक्स (62 रन देकर पांच विकेट) ने हेजलवुड को एक रन पर आउट करने का मौका गंवा दिया लेकिन उन्हें चार रन के निजी स्कोर पर आउट कर आस्ट्रेलिया की पहली पारी 317 रन पर खत्म की। स्टार्क 36 रन बनाकर नाबाद रहे।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम चार देशों के टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए स्पेन रवाना

बेंगलुरु। कप्तान हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई में भारतीय पुरुष हॉकी टीम चार देशों के टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए बुधवार को स्पेन रवाना हो गई। स्पेन हॉकी महासंघ की स्थापना के 100 साल पूरे होने पर टेरासा में 25 से 30 जुलाई तक चार देशों का टूर्नामेंट खेला जाएगा। इस प्रतियोगिता में मेजबान स्पेन और भारत के अलावा इंग्लैंड और नीदरलैंड की टीमें भी भाग लेंगी। भारतीय टीम 25 जुलाई को स्पेन के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी और फिर 26 जुलाई को नीदरलैंड के खिलाफ खेलेगी। भारत राउंड रॉबिन चरण के अपने अंतिम मैच में 28 जुलाई को इंग्लैंड से भिड़ेगा। टूर्नामेंट का फाइनल 30 जुलाई को खेला जाएगा। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी और उसके बाद एशियाई खेलों की तैयारियों को देखते हुए भारत के लिए यह टूर्नामेंट काफी महत्वपूर्ण है।

मणिपुर की घटना को हरभजन, मीराबाई और आकाश ने अमानवीय बताया, दोषियों कों फांसी देने कहा

नई दिल्ली। मणिपुर में दो महिलाओं के साथ हुई हैवानियत से देश भर में भारी आक्रोश है। खिलाड़ियों ने भी इस मामले में दोषियों को फांसी देने की मांग करते हुए कहा कि सरकार मणिपुर में लोगों को बचाये। सोशल मीडिया पर भी लोगों ने इस घटना पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि इस मामले में तेजी से कार्रवाई की जाये। मणिपुर की भारोत्तोलक मीराबाई चानू, पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह और आकाश चोपड़ा की भी इस मामले में कड़ी प्रतिक्रिया आई है। मीराबाई ने प्रधानमंत्री से मणिपुर को बचाने की अपील की है। मीराबाई ने वीडियो शेयर करते हुए प्रधानमंत्री से कहा है कि अगर आज राज्य नहीं बचाएंगे तो सब कुछ उजड़ जाएगा। जबकि हरभजन सिंह और आकाश चोपड़ा ने इस घटना को अमानवीय बताते हुए कहा कि इस मामले में दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिये। मणिपुर में 4 मई को हुई इस वीभत्स घटना के वीडियो ट्विटर पर वायरल हो रहे हैं। वीडियो ऐसे है कि कोई भी व्यक्ति इन्हें देखने के बाद शर्मसार हो जाएगा। वीडियो में भीड़ दो महिलाओं की न्यूड परेड कराते दिख रही है। बर्बरता की सारी हदें पार करते हुए इस वीडियो में इनके साथ ज्यादती होती भी दिख रही है। हरभजन ने ट्विटर पर लिखा, अगर मैं कहूं कि मैं गुस्से में हूं, तो यह एक अतिशयोक्ति होगी। मैं गुस्से से सुन्न हो गया हूं। मणिपुर में जो हुआ उसके बाद आज मैं शर्मिंदा हूं। अगर इस भयानक अपराध के अपराधियों को कानून के सामने नहीं लाया जाता और मौत की सजा नहीं दी जाती, तो हमें अपने को इंसान कहना बंद कर देना चाहिए। अब बहुत हो गया है। सरकार को कार्रवाई करनी चाहिए। दूसरी ओर, पूर्व ओपनर और कॉमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने लिखा, हमारे ग्रह पर मनुष्य सबसे खराब प्रजाति हो सकता है यह इससे दिखा है। यह हैरान करने वाला घिनौना वीडियो है। इस मामले में दोषियों को जल्द ही गिरफ्तार कर सख्त से सख्त सजा दी जाएगी।

इमाम के अर्धशतक से पाक ने पहले टेस्ट में श्रीलंका को हराया, सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की

गॉल (एजेंसी)। इमाम उल हक के शानदार अर्धशतक से पाकिस्तान ने यहां मेजबान श्रीलंका को पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में चार विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ही पाक टीम ने दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए पाक टीम ने लगातार विकेट खोये पर इमाम ने एक छोर संभाले रखा और नाबाद 50 रन बनाकर अपना आठवां अर्धशतक लगा दिया। इससे पाक ने अंतिम दिन लंच से पहले ही छह विकेट पर 133 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया।

इस मैच में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 312 रन बनाए थे जिसके बाद पाक ने अपनी पहली पारी में 461 रन बनाकर

अच्छी खासी बढ़त हासिल कर ली। श्रीलंका की टीम अपनी दूसरी पारी में 279 रन ही बना पायी। इस प्रकार पाक को जीत के लिए 131 रन का आसान सा लक्ष्य मिला। इसका पीछा करते हुए पाक की शुरुआत खराब रही और चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक ही उसने 48 रनों के अंदर ही तीन विकेट खो दिये।

पाक टीम को पांचवें और अंतिम दिन जीत के लिए 83 रन बनाने थे जो उसके लिए आसान नहीं रहे। कप्तान बाबर आजम ने 24 रन बनाकर इमाम के साथ चौथे विकेट के लिए 41 रन की साझेदारी कर अपनी टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचाया पर आजम के आउट होने से टीम एक बार फिर दबाव में आ गयी। इसके बाद सउद शकील 30 ने इमाम के साथ पांचवें विकेट के लिए 43 रन की साझेदारी की। जयसूर्या ने सरफराज अहमद 01 को आउट कर दिया पर इमाम जमे रहे। पाक टीम को इसके बाद जीत के लिए चार रन चाहिये थे। आगा सलमान ने चौका लगाकर अपनी टीम को जीत दिला दी।

महिला विश्व कप : विलकिन्सन के गोल से न्यूजीलैंड ने नार्वे को 1-0 से हराया

ऑकलैंड (न्यूजीलैंड)। हन्ना विलकिन्सन के दूसरे हाफ में किये गये गोल की बदौलत न्यूजीलैंड फुटबॉल टीम ने यहां गुरुवार को महिला विश्व कप के पहले मैच में नार्वे को 1-0 से शिकस्त दी। महिला विश्व कप में यह न्यूजीलैंड की पहली जीत है। ईडन पार्क स्टेडियम में रिकॉर्ड 42,137 दर्शक मौजूद थे जो न्यूजीलैंड में फुटबॉल मैच के लिए रिकॉर्ड संख्या है। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस हिपकिंस भी मैच देखने के लिये स्टेडियम में उपस्थित थे। न्यूजीलैंड की महिला टीम ने इससे पहले आयोजित हुए पांच विश्व कप में हिस्सा लिया था लेकिन कोई मैच नहीं जीता था। दोनों टीमें विश्व कप में केवल एक बार ही आमने सामने हुई हैं जिसमें नार्वे ने 1991 में सह मेजबान टीम को 4-0 से पराजित किया था। मैच से कुछ घंटों पहले बृहस्पतिवार को सुबह एक व्यक्ति ने यहां एक ऊंची निर्माणाधीन इमारत में गोलीबारी कर दी, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई।

शाहबाज को एशियाई खेलों में भारतीय टीम के स्वर्ण पदक जीतने की उम्मीद

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के लिए भारतीय क्रिकेट टीम में शामिल स्पिनर शाहबाज अहमद ने कहा है कि भारतीय टीम चीन में होने वाले आगामी एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीत सकती है। उन्होंने कहा कि ये एक अहम अवसर होगा जब क्रिकेट में हमें स्वर्ण पदक मिलेगा। यह दूसरी बार है जब पुरुष क्रिकेट टीम किसी बहु-खेल प्रतियोगिता में खेलेगी। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने इससे पहले साल 1998 में कुआलालंपुर में राष्ट्रमंडल खेलों में 50 ओवर के प्रारूप में खेला था। हालांकि तब इन मैचों को अंतर्राष्ट्रीय दर्जा नहीं दिया गया और उन्हें सूची ए खेलों के रूप में दर्ज किया गया। शाहबाज ने कहा, हमारे लिए हमारा टूर्नामेंट क्वार्टर फाइनल चरण से शुरू होता है। इसमें सभी टीमें अच्छी तरह से तैयार होंगी। हम देश के लिए स्वर्ण पदक की उम्मीद करते हैं। बीसीसीआई ने 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक चीन के हांगझाउ में होने वाले आगामी एशियाई खेलों 2023 के लिए 15 सदस्यीय भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम और पांच स्टैंडबाय खिलाड़ियों की घोषणा की है। टी20 प्रारूप में खेले जाने वाले इन एशियाई खेलों में पुरुष क्रिकेट प्रतियोगिता 28 सितंबर से 8 अक्टूबर तक होगी। इसके सभी मैच झेजियांग यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी पिंगफेंग क्रिकेट फील्ड में खेले जाएंगे।

कोरिया ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे प्रणय, सिंधु और श्रीकांत बाहर

येओसु। भारत की महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु और किदांबी श्रीकांत कोरिया ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पहले ही दौर में मिली हार के बाद बाहर हो गये। वहीं भारत के एचएस प्रणय जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंच गये हैं। ओलंपिक पदक विजेता सिंधु को महिला एकल में चीनी खिलाड़ी पाई यू पो ने 18-21, 21-10, 13-21 से हराया। सिंधु का यह छठा मुकाबला है जहां वह शुरुआती दौर में ही बाहर हुई हैं। वहीं अन्य महिला एकल मुकाबलों में मालविका बंसोड़ को चीनी ताइपे की ताई जू यिंग ने 17-21, 7-21 से हराया जबकि अश्मिता चालिहा को चीन की चेन यू फी ने 13-21, 12-21 से हराया। आकर्षी कश्यप को चीनी खिलाड़ी झांग यी मान ने 12-21, 17-21 से हराया। पुरुष एकल में भारत के श्रीकांत को जापान के केंटो मोमोता ने तीन गेम तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में 21-12, 22-24, 17-21 से हराया। वहीं भारत के ही प्रणय ने बेल्जियम के जूलियन कैरागी को 21-13, 21-17 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनायी। यहां उनका मुकाबला हांगकांग के ली चेउक यियू से होगा।

एक अन्य मुकाबले में मिथुन मंजूनाथ को भी मलेशिया के एनजी जू योंग के हाथों 11-21, 4-21 से हार का सामना करना पड़ा है। मिश्रित युगल में भारत के रोहन कपूर और एन सिक्की रेड्डी ने फिलीपींस के एल्विन मोराडा और एलिसा यसबेल लियोनार्डो की जोड़ी को 21-17, 21-17 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। रोहन और सिक्की का अगला मुकाबला फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग की चौथी वरीयता प्राप्त चीनी जोड़ी से होगा।

एक अन्य मिश्रित युगल मुकाबले में बी सुमित रेड्डी और अश्विनी पोनप्पा, सोंग ह्यून चो और ली जंग ह्यून की कोरियाई जोड़ी से 21-23, 21-13, 12-21 से हार गई।

बजरंग-विनेश को छूट आईओए के लिए बनी मुसीबत, कई जूनियर पहलवानों और कोचों का मुख्यालय पर प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा के हिसार में विरोध प्रदर्शन करने के एक दिन बाद कई जूनियर पहलवान, उनके माता-पिता और कोच गुरुवार को यहां भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के मुख्यालय पहुंचे और एशियाई खेलों के ट्रायल से विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया को दी गई छूट वापस लेने की मांग की। पहलवानों के परिजनों सहित लगभग 150 लोग आईओए की अध्यक्ष पीटी ऊषा और तदर्थ पैनल के प्रमुख भूपेंद्र सिंह बाजवा से मिलने की मांग कर रहे हैं।

उदीयमान खिलाड़ी अंतिम पंघाल के कोच विकास भारद्वाज ने कहा, 'हम सभी आईओए के शीर्ष अधिकारियों से मिलना चाहते हैं। हम किसी भी तरह के पक्षपातपूर्ण फैसले को स्वीकार नहीं करेंगे। यह गलत है। हम यहां पैनल से यह आग्रह करने आए हैं कि वह बजरंग और विनेश को दी गई छूट वापस ले।' मौजूदा अंडर-20 विश्व चैंपियन पंघाल और अंडर 23 एशियाई चैंपियन सुजीत कलकल ने तदर्थ समिति के फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए इसे अनुचित और अन्यायपूर्ण करार दिया था और दावा किया था कि अगर ट्रायल्स में उनका मुकाबला बजरंग और विनेश से होता है तो वे उन्हें हराने में सक्षम हैं।

ये दोनों हालांकि प्रदर्शन करने के लिए ओलंपिक भवन नहीं पहुंचे थे। बाजवा की अगुवाई वाले आईओए के तदर्थ पैनल में मंगलवार को ट्रायल के मानदंड घोषित करते हुए कहा था कि सभी भार वर्गों में ट्रायल्स होंगे लेकिन उन्होंने पुरुषों के फ्रीस्टाइल 65 किग्रा और महिलाओं के 53 किग्रा भार वर्ग में पहले ही पहलवानों का चयन कर लिया है। पंघाल और सुजीत ने दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर करके बजरंग और विनेश को दी गई छूट को वापस लेने के लिए आईओए को निर्देश देने की मांग की है।

जनवरी में जंतर-मंतर पर पहलवानों के विरोध पदर्शन का हिस्सा रहीं विश्व चैम्पियनशिप और राष्ट्रमंडल खेलों की रजत पदक वजेता अंशु मलिक ने जूनियर पहलवानों का समर्थन करते हुए ट्वीट किया, 'एक एथलीट का सबसे बड़ा सपना ओलंपिक और एशियाई खेलों जैसे टूर्नामेंट में पदक जीतकर देशवासियों को गौरवान्वित करने का होता है। लेकिन अगर इन खिलाड़ियों के अधिकार ही छीन लिये जाएं।' महिलाओं की

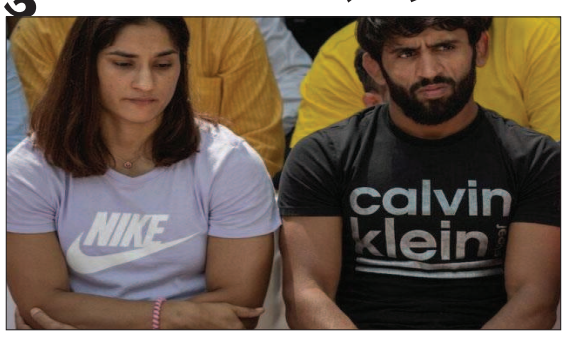

57 किग्रा वर्ग में स्पर्धा करने वाली अंशु ने कहा, 'जूनियर खिलाड़ियों द्वारा ट्रायल की मांग करना उचित है और यह उनका अधिकार है। मैं जूनियर खिलाड़ियों की मांग का समर्थन करती हूं।'

इस्कॉन ब्रिज पर हुई दुर्घटना में 9 लोगों की मौत, मृतकों में दो पुलिस जवान और एक होमगार्ड

अहमदाबाद। बुधवार रात 9 लोगों के लिए जीवन की अंतिम रात बन गई। अहमदाबाद के एसजी-हाईवे स्थित इस्कॉन ब्रिज हुए सड़क हादसों में 9 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 6 लोग ऐसे थे, जो पहले से हुई दुर्घटना में लोगों की मदद करने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे थे। जिन्हें तेज रफ्तार जगुआर कार ने कुचल दिया। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के एसजी हाईवे स्थित इस्कॉन ब्रिज पर बुधवार की रात थार कार और बुलडोजर के बीच दुर्घटना हुई थी, जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई थी। घटना के बाद पीडितों की मददके लिए कई पुलिस और होमगार्ड समेत कई युवा पहुंच गए। मदद के लिए घटनास्थल पहुंचे लोगों को आभास नहीं था कि वह कुछ क्षणों में काल का ग्रास बन जाएंगे। कुछ ही क्षण बाद 110 से 180 की रफ्तार से आई जगुआर कार ने घटनास्थल पर मदद के लिए आए लोगों को कुचल दिया।

जिसमें सभी 6 लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतकों में 2 पुलिस जवान और एक होमगार्ड का जवान भी शामिल है। इस भीषण सड़क हादसे में रौनक राजेशभाई विहलपरा, कृणाल नटुभाई डोडिया डोडिया, अक्षर अनीलभाई पटेल पटेल, निरव रामानुज, अमन अमीरभाई कच्छी, अरमान अनिलभाई वढवानिया, धर्मेंद्रसिंह नारसंग परमार, निलेश मोहनभाई खटिक और जसवंतभाई ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। जानकारी के मुताबिक 23 वर्षीय रौनक विहलपरा, 23 कृणाल कोडिया बोटाद जिले के मूल निवासी थे और अहमदाबाद के थलतेज में पीजी रहकर पढ़ाई करते थे। जबकि 21 वर्षीय अक्षर पटेल भी बोटाद का मूल निवासी था और अहमदाबाद के वस्त्राल में पीजी रह रहा था और कॉलेज में एडमिशन के लिए आया था। 25 वर्षीय अमन कच्छी और 21 अरमान वढवानिया सुरेन्द्रनगर के निवासी थे। 40 वर्षीय धर्मेन्द्रसिंह परमार और जसवंतभाई एसजी-2 पुलिस स्टेशन के कर्मचारी थे। 38 वर्षीय निलेश खटिक शहर के बोडकदेव में होमगार्ड का जवान था।

शहर के इस्कॉन ब्रिज दुर्घटना के मुख्य आरोपी तथ्य पटेल के पिता प्रज्ञेश पटेल के खिलाफ भी पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। घटना के बाद प्रज्ञेश पटेल ने मौके पर जाकर कई लोगों को धमकी दी थी। बाद में अपने बेटे तथ्य पटेल को घटनास्थल से भगा ले गया था। पुलिस ने तथ्य पटेल और प्रज्ञेश पटेल को भी गिरफ्तार कर लिया है। ट्रैफिक शाखा के पुलिस निरीक्षक स्वयं इस मामले के शिकायतकर्ता है। पुलिस निरीक्षक का आरोप है कि तथ्य पटेल ने तेज रफ्तार में जगुआर कार चलाकर दुर्घटना को अंजाम दिया। तेज रफ्तार जगुआर कार 9 जितने लोगों को करीब 120 फूट तक घसीट ले गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर पहुंचे तथ्य पटेल के पिता प्रज्ञेश ने वहां मौजूद लोगों के साथ गाली-गलौज की और उन्हें धमकी भी दी। इतना ही प्रज्ञेश पटेल अपने बेटे तथ्य पटेल को घटनास्थल से भगा ले गया। पुलिस ने तथ्य पटेल और प्रज्ञेश पटेल के खिलाफ दफा 279, 337, 338, 304, 504, 506(2), 114 और मोटर व्हीकल एक्ट 177, 184, 134(बी) के तहत केस दर्ज किया गया है।

गुजरात में 61.30 लाख हेक्टर में खरीफ फसलों की बुवाई

अहमदाबाद। गुजरातभर में बारिश होने से राज्य में अब तक 61.30 लाख हेक्टर में खरीफ फसलों की बुवाई है। जो पिछले साल के मुकाबले 110 प्रतिशत जितनी बुवाई हुई है। गुजरात सरकार के प्रवक्ता मंत्री ऋषिकेश पटेल ने बताया कि मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक हुई। राज्यभर में अच्छी बारिश होने से खरीफ फसलों की बुवाई में पिछले साल के मुकाबले उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। राज्यभर में अब तक 61.30 लाख हेक्टर में बुवाई हुई है। पिछले साल इसी समयावधि के दौरान राज्य में कुल 55.41 लाख हेक्टर में बुवाई हुई थी। उन्होंने कहा कि पिछले तीन साल के औसत राज्य में कुल 85.97 लाख हेक्टर बुवाई क्षेत्र के मुकाबले जारी वर्ष में अब तक 71.31 प्रतिशत क्षेत्र में बुवाई हो चुकी है। प्रक्ता मंत्री ने बताया कि कपास के उत्पादन में गुजरात देशभर में अग्रसर है और हर साल खरीफ ऋतु के दौरान राज्य में कपास की सबसे अधिक बुवाई हुई है। इस वर्ष भी राज्य में अब तक सबसे अधिक 25.39 लाख हेक्टर में कपास की बुवाई की गई है। पिछले वर्ष इसी समयावधि के दौरान 23.11 लाख हेक्टर में कपास की बुवाई हुई थी। कपास के बाद राज्य में सबसे अधिक बुवाई तिलहन की हुई है। गुजरात में अब तक 19.18 लाख हेक्टर में तिलहन की बुवाई की गई है। जो पिछले वर्ष इसी समयावधि के दौरान 11.8। लाख हेक्टर था। राज्य में मुख्य तिलहन फसलमूंगफली है उसकी सबसे अधिक बुवाई हुई है। इस वर्ष राज्य में मूंगफली की 15.84 लाख हेक्टर क्षेत्र में बुवाई हुई है। प्रवक्ता मंत्री ऋषिकेश पटेल ने बताया कि राज्य के ज्यादातर जिलों के किसानों को कपास, मूंगफली, एरंडी, तिल, सोयाबीन, डांगर, ज्वार समेत खरीफ फसलों की बुवाई हुई है। पिछले साल के मुकाबले इस वर्ष बुवाई क्षेत्र में वृद्धि हुई है, जिसके अभी और बढ़ने की संभावना है। क्योंकि राज्य में अब भी बुवाई कार्य जारी है।

"ननद-भाभी" सावन मेले का आयोजन 31 जुलाई से

सूरत भूमि, सूरत। स्वयं संस्था द्वारा दो दिवसीय "ननद-भाभी" सावन मेले का आयोजन 31 जुलाई को सिटी-लाइट स्थित माहेश्वरी भवन में किया जायेगा । स्वयं संस्था द्वारा आयोजित इस मेले का मुख्य उद्देश्य कामकाजी महिला उद्यमियों को प्लेटफार्म प्रदान करना है ताकि वे आत्मनिर्भर बन सके । मेले में भारत के विभिन्न शहरों की प्रसिद्ध कलात्मक वस्तुओं का विशाल प्रदर्शन किया जाएगा । इस मेले में कोलकाता की प्रसिद्ध राखियां, विभिन्न शहरों के गिफ्ट आइटम, गृहोपयोगी वस्तुएं, हैण्डीक्राफ्ट्स, बैग, गारमेन्ट्स, सजावट की विभिन्न वस्तुएं, ज्वेलरी एवं देश-विदेश अनेकों शहरों की वस्तुएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध रहेंगे । मेले की व्यवस्था हेतु संस्था की एक मीटिंग का आयोजन किया गया, जिसमें संस्था की ऋचू गोयल, शशि जैन, विमल अग्रवाल, उमा जालान, रेखा कानूनगो सहित अनेकों पदाधिकारी रही । बैठक में विस्तार पूर्वक विचार-विमर्श के बाद सभी बहनों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंप दी गई ।

मेघ तांडव से सौराष्ट्र हुआ पानी पानी, जामनगर में 4 घंटे के भीतर 8 ईंच बारिश

अहमदाबाद। शहर समेत गुजरातभर में बरसाती माहौल बना हुआ है। कहीं मध्यम तो कहीं भारी बारिश से जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है। खासकर सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात में मेघा की धुआंधार बेटिंग जारी है। सौराष्ट्र के गिर सोमनाथ के सूत्रापाडा, जूनागढ़ के केशोद और राजकोट के धोराजी समेत कई इलाकों में अतिभारी बारिश होने से नदियों में बाढ़ आ गई है। कई इलाके जलमग्न हो गए हैं। सौराष्ट्र के जामनगर और देवभूमि द्वारका में भारी बारिश से हालात खराब हैं। जामनगर में 4 घंटों के भीतर 8 ईंच बारिश होने से लोगों के घरों में पानी घुस गया है। नदियां उफान मार रही हैं। मौसम विभाग ने आगामी तीन दिन भारी से अतिभारी बारिश का संभावना व्यक्त की है। जामनगर के कालावड के ग्रामीण इलाकों में अनराधार बारिश हो रही है। जामनगर के मूलीला, बालंभडी, नपाणिया, खीजडिया गांवों भारी बारिश की खबर है। मूलीला गांव में 4 घंटों के भीतर 8 ईंच बारिश दर्ज हुई है। भारी बारिश के कारण कालावड से मूलीला और मूलीला से नपाणिया के बीच रास्ता बंद हो गया है। भारी बारिश के कारण जिले के डेम जूनागढ़ जिलों की स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। जिले की सभी प्राथमिक स्कूलों में 2 दिन का अवकाश घोषित किया गया है। जिला शिक्षाधिकारी ने भारी बारिश की स्थिति को देखते हुए सभी प्राथमिक स्कूलों में छुट्टी का आदेश दिया है। हांलाकि स्कूल के आचार्य, शिक्षक और स्टाफ को स्कूल आना अनिवार्य होगा। गिर सोमनाथ जिले के कोडीनार में लगातार तीसरे दिन मूशलाधार बारिश हुई। कोडीनार शहर और ग्रामीण क्षेत्र में 2 ईंच बारिश हुई। भारी बारिश के कारण

नदी-नाले छलक गए हैं। गिर सोमनाथ जिले में मूशलाधार बारिश होने से समुद्र का पानी तटीय क्षेत्र के गांवों में घुस जाने से जनजीवन प्रभावित हुआ है। भारी बारिश के कारण गांव की सड़कें ऐसी लग रही थी जैसे कोई नाला बह रहा हो। देवभूमि द्वारका के भोगात गांव में मूशलाधार बारिश हो रही है। दक्षिण गुजरात में भारी बारिश हो रही है। सूरत की वीर नर्मद दक्षिण गुजरात यूनिवर्सिटी वीएनएसजीयू की कॉलेज की परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। सूरत समेत जिलेभर में भारी बारिश के कारण वीएनएजीयू की सभी कॉलेजों की परीक्षा फिलहाल रोक दी गई है।

बारिश के बीच छत पर खेल रहे बच्चों पर बिजली गिरी, एक बच्चे की मौत और दूसरा घायल

सूरत। सूरत समेत राज्यभर में बरसाती माहौल बना हुआ है। कहीं भारी तो कहीं भारी से अतिभारी बारिश हो रही है। इस बीच सूरत जिले के जोळवा गांव में छत पर खेल रहे बच्चों पर बिजली गिरी। इस घटना में एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि दूसरा बुरी तरह झुलस गया। बच्चे की मौत से परिवार में मातम पसरा है। घटना सूरत जिले के जोळवा गांव की नक्षत्र सोसायटी की है। सोसायटी में रहनेवाले एक परिवार के बच्चे बारिश के बीच घर की छत पर खेल रहे थे। उस वक्त अचानक काल बनकर आई बिजली ने खेल रहे बच्चों को अपनी चपेट में ले लिया। दोनों बच्चों को फौरन अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टर ने एक बच्चे को मृत घोषित कर दिया। जबकि दूसरे घायल बच्चे का अस्पताल में उपचार चल रहा है। बात दें कि बीते दिन सुरेन्द्रनगर जिले की सायला तहसील के तीन गांवों में बिजली गिरी थी। जिसमें एक किशोर और एक युवक की मौत हो गई थी। सायला के धमगला गांव के खेत में बिजली गिरने से 13 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। जबकि नवागाम के खेत में बिजली गिरने से 33 वर्षीय युवक की मौत हो गई थी।

ओडीओपी एवं गुजरात सरकार द्वारा स्वदेशी उत्कृष्टता का प्रदर्शन

हस्तशिल्प और हथकरघा की समृद्ध विरासत का धनी है गुजरात

अहमदाबाद । वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने, एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) पहल को बढ़ावा देने के लिए नई दिल्ली में गुजरात सरकार के सहयोग से राज्य के कला एवं शिल्प के प्रचार एवं प्रसार के लिए अपने पहले प्रयास की शुरुआत की। डीपीआईआईटी की संयुक्त सचिव श्रीमती मनमीत नंदा और गुजरात सरकार की रेसिडेंट कमिश्नर एवं गुजरात सरकार में वित्त विभाग की सचिव (आर्थिक मामले) श्रीमती आरती कंवर ने संयुक्त रूप से आज गरवी गुजरात भवन में ओडीओपी वॉल का उद्घाटन किया। ओडीओपी पहल का उद्देश्य देश के सभी जिलों के सामाजिक-आर्थिक विकास को प्रोत्साहन देकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के विज़न को आगे ले जाना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से देश के प्रत्येक जिले से एक उत्पाद का चयन कर उसकी ब्रांडिंग और संवर्धन किया जाता है जिसमें हथकरघा एवं हस्तशिल्प समेत कई सेक्टर शामिल हैं। इस उद्देश्य को बेहतर ढंग से पूरा करने के लिए ओडीओपी की टीम इस सेक्टर में काम कर रहे विभिन्न सरकारी एवं निजी संस्थानों के साथ जुड़ रही है। गुजरात, अपने 33 जिलों के साथ, राज्य भर में मौजूद विविध उत्पादों के लिए विशाल भौगोलिक कवरेज और क्षमता का बेहतरीन उदाहरण है। ओडीओपी -गुजरात, 68 अद्वितीय उत्पादों का एक समृद्ध संग्रह है, जिसमें गामठी ब्लॉक प्रिंट और माता-नी-पछेड़ी जैसे पारंपरिक शिल्प से लेकर मूंगफली और जीरा जैसे कृषि उत्पाद भी शामिल हैं। इस महत्वपूर्ण सहयोग के ज़रिए ओडीओपी ने गुजरात के विभिन्न उत्पादों के प्रचार-प्रसार, प्रोडक्ट टैगिंग और स्टोरी कार्ड को लागू करने के लिए गुजरात सरकार के साथ साझेदारी की है। इस सहयोग का उद्देश्य उपभोक्ताओं को एम्पोरियम (किसी क्षेत्र विशेष से संबंधित बड़ा मार्केट) की ओर ले जाना, उत्पादों की बिक्री बढ़ाना और गुजरात के विभिन्न उत्पादों को अधिक से अधिक प्रचारित करना है। गरवी गुजरात की इमारत में गुजरात के हस्तशिल्प को प्रचारित करने के लिए ओडीओपी उत्पादों को बेहतरीन ढंग से प्रदर्शित किया गया है। ओडीओपी ने गुजरात के कुछ विशेष उत्पादों के प्रचार पर अपना ध्यान केंद्रित किया है। उदाहरण के लिए सुजानी हैंडलूम, जामनगरी बांधणी और पाटण के पटोला के लिए जीईएम (गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस) ऑनबोर्डिंग ड्राइव आयोजित की गई है। इसके अतिरिक्त, खंभात जिले में एगेट स्टोन और भरूच ज़िले के सुजानी हैंडलूम के लिए राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी) वर्कशॉप से सहायता प्राप्त की गई है।

तीस्ता सेतलवाड को अहमदाबाद की कोर्ट से झटका, आरोपमुक्त करने वाली याचिका खारिज

अहमदाबाद। अहमदाबाद के सेशन कोर्ट से सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सेतलवाडा को बड़ा झटका लगा है। 2002 में हुए गुजरात दंगों के संबंध में कथित रूप से सबूत गढ़ने के मामले में आरोपमुक्त करने की मांग करने वाली तीस्ता सेतलवाड की याचिका को कोर्ट ने खारिज कर दिया है। गुजरात सरकार ने तीस्ता की याचिका का विरोध करते हुए कहा था कि उन्होंने पीड़ितों के साथ विश्वासघात किया है और निर्दोष लोगों को फंसाने का काम किया है। जिसके बाद अतिरिक्त सत्र न्यायधीश एआर पटेल ने तीस्ता सेतलवाड की ओर से दायर आरोपमुक्त करने वाली याचिका को खारिज कर दिया। बता दें कि 19 जुलाई को

इसी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने तीस्ता सेतलवाड को जमानत दी थी। इससे पहले गुजरात हाईकोर्ट ने 1 जुलाई को गुजरात हाईकोर्ट ने तीस्ता सेतलवाड को तुरंत सरैंडर करने का आदेश दिया था। हांलाकि सुप्रीम कोर्ट ने उसी दिन तीस्ता सेतलवाड की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी। बीते दिन यानी 19 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने तीस्ता सेतलवाड को यह कहते हुए जमानत दे दी थी कि उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की जरूरत नहीं है। तीस्ता सेतलवाड का पासपोर्ट पहले ही जमा किया जा चुका है, जो सत्र अदालत के पास रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने तीस्ता सेतलवाड को भी आगाह किया था कि वह गवाहों का प्रभावित करने का प्रयास ना करें और उनसे दूर रहें।

108MP अल्ट्रा क्लियर कैमरा के साथ रियलमी ने 9,999 रू में रियलमी C53 का अनावरण किया

नई दिल्ली । सबसे भरोसेमंद स्मार्टफ़ोन सेवा प्रदाता, रियलमी ने आज रियलमी C53 के लॉंच की घोषणा की। यह इसकी चैंपियन सीरीज का नया सदस्य है। इसके अलावा युवाओं के लिए परफ़ेक्ट पैड रियलमी पैड 2 भी लॉंच किया गया। अत्याधुनिक फ़ीचर्स, लीप फॉरवर्ड टेक्नोलॉजिकल उन्नति, और शक्तिशाली परफॉरमेंस के साथ ये दोनों उत्पाद इस उद्योग में नयी क्रांति ला देंगे।

नो लीप, नो लॉंच के सिद्धांत के साथ रियलमी उद्योग में उच्च मानक स्थापित कर रहा है। यह ब्रांड नये उत्पादों के हर पहलू में लीप फॉरवर्ड टेक्नोलॉजी पेश करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि यह ग्राहकों को आसानी से मिल सके।

रियलमी C53 अपने सेगमेंट का पहला और एकमात्र स्मार्टफ़ोन है, जिसमें 108MP का अल्ट्रा क्लियर कैमरा 3X इन-सेंसर ज़ूम, और 8MP सेल्फ़ी कैमरा है। रियलमी C53 इस मूल्य वर्ग में सबसे बड़ी ROM और डायनामिक RAM के साथ सबसे बड़ा स्टोरेज लेकर आया है। इसमें 12GB तक की डायनामिक RAM और 128GB की ROM है, जो इस स्मार्टफ़ोन को बिलकुल मक्खन की तरह चलने में मदद करती है। रियलमी C 53 में 7.99mm का अल्ट्रा स्लिम शाइनी चैंपियन डिज़ाइन और 90हर्ट्ज़ का डिस्प्ले है, तथा इसमें मिनी कैप्सूल फीचर भी है। इस स्मार्टफ़ोन में 5000mAh की शक्तिशाली बैटरी और 18W की सुपरवूक चार्जिंग सपोर्ट है। यह यूनिसॉक T612 ऑक्टा-कोर चिपसेट पर चलता है। रियलमी C53 दो खूबसूरत रंगों: चैंपियन गोल्ड और चैंपियन ब्लैक में उपलब्ध है और यह दो स्टोरेज वेरिएंट्स: 4GB + 128GB और 6GB + 64GB में आता है।

रियलमी पैड 2 में रियलमी पैड सीरीज का सबसे बड़ा अपग्रेड दिया गया है। इसमें सेगमेंट का पहला 11.5" 120 हर्ट्ज़ 2K डिस्प्ले है, जो ज़्यादा स्मूथ और आरामदायक अनुभव प्रदान करता है। पिछली जनरेशन के मुक़ाबले इसमें स्क्रीन टू बॉडी अनुपात 82.5% से बढ़ाकर 85.2% कर दिया गया है। इसकी वजह से डिवाइस का पूरे आकार में ज़्यादा बड़ा डिस्प्ले एरिया मिलता है। अपने सबसे ज़्यादा स्क्रीन टू बॉडी अनुपात के कारण यह टेबलेट अपने सेगमेंट में लीडर है। इसमें 8630mAh की बैटरी लगी है, जो सेगमेंट में सबसे ज़्यादा शक्तिशाली है, तथा सेगमेंट का एकमात्र 33 वॉट का फास्ट चार्ज दिया गया है।

स्टोरेज की बात करें तो रियलमी पैड 2 में 8GB + 256GB तक की सेगमेंट में सबसे ज़्यादा मेमोरी है। डायनामिक RAM एक्सपैंशन टेक्नोलॉजी के साथ रियलमी पैड 28GB RAM को 8GB और बढ़ाकर 16GB RAM का अनुभव प्रदान कर सकता है। रियलमी पैड 2 में सॉफ्टवेयर में काफ़ी अपग्रेड कर दिया गया है और यह बॉक्स में एंड्रॉयड 13 पर आधारित रियलमी I 4.0 के साथ आने वाला पहला टेबलेट है। यह रियलमी.कॉम, फ्लिपकार्ट और मेनलाइन चैनल्स पर मिलेगा।

मुख्यमंत्री की उपस्थिति में वनवेब इंडिया और गुजरात सरकार के बीच हुआ एमओयू

गांधीनगर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के युवाओं और उद्यमियों की संभावनाओं को पूरी तरह से अनलॉक करने के लिए अंतरिक्ष सहित सभी हाई टेक्नोलॉजी सेक्टरों में निजी क्षेत्र की गतिविधियों में वृद्धि करने का विजन दिया है। प्रधानमंत्री के इस विजन को साकार करने की दिशा में बुधवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की प्रेरक उपस्थिति में लंदन स्थित कंपनी वनवेब और राज्य सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (आईटी) विभाग के बीच 'सैटेलाइट नेटवर्क पोर्टल साइट' स्थापित करने के संबंध में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। मुख्यमंत्री की मौजूदगी में आयोजित इस एमओयू हस्ताक्षर कार्यक्रम में वनवेब इंडिया कम्युनिकेशन प्रा. लि. के निदेशक राहुल वत्स और राज्य के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव विजय नेहरा ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। वनवेब द्वारा भारत में स्थापित किए जाने वाले दो प्राइवेट 'सैटेलाइट नेटवर्क पोर्टल साइट' में से एक गुजरात के मेहसाणा जिले में स्थापित किया जाएगा। मेहसाणा जिले की जोटाणा तहसील में शुरू होने वाले इस सैटेलाइट नेटवर्क पोर्टल साइट से सरकार, व्यापार, ग्राहकों और स्कूलों आदि को हाई-स्पीड, लो लेटेंसी और किफायती कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी। इसके साथ ही देश में किफायती दरों पर सतत एवं सुरक्षित सैटेलाइट इंटरफेस एक्सेस की सुविधा मुहैया होगी। यह डिजिटल इंडिया के अंतर्गत पूरे भारत के गांवों, जिला पंचायतों, स्थानीय निकाय की संस्थाओं और सरकारी विभागों को किफायती दरों पर इंटरनेट सुविधा प्रदान करने का एक प्रतिष्ठित और अनूठा प्रोजेक्ट है। इसके अंतर्गत वनवेब द्वारा भारत में गुजरात और तमिलनाडु में दो सैटेलाइट नेटवर्क पोर्ट्ल्स (एसएनपी) स्थापित किए जा रहे हैं। गुजरात की जोटाणा तहसील के कटोसण और तेजपुरा में स्थापित होने वाला यह सैटेलाइट नेटवर्क पोर्टल 2023 में शुरू होगा। इसके पहले चरण में 100 करोड़ रुपए से अधिक का अनुमानित निवेश होगा। इससे राज्य में लगभग 500 प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। भविष्य में शहरी और प्रादेशिक क्षेत्रों के बेहतर आयोजन, आपदा प्रबंधन, लॉजिस्टिक्स सेवाओं, प्राकृतिक संसाधनों की मैपिंग आदि क्षेत्रों तथा राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे रणनीतिक महत्व के क्षेत्रों में अंतरिक्ष अन्वेषण और अंतरिक्ष संबद्ध सेवाएं अहम भूमिका निभाएंगी। उल्लेखनीय है कि वनवेब लो अर्थ ऑर्बिट (एलईओ) सैटेलाइट कंपनी है, जिसके पास 648 उपग्रह हैं। कंपनी का लक्ष्य इनके जरिए ग्लोबल कम्युनिकेशन नेटवर्क खड़ा करना है। वनवेब कंपनी भूमध्य रेखा से 36,000 किमी ऊपर स्थित भू-स्थिर उपग्रहों का उपयोग करने की पारंपरिक पद्धति के बजाय ब्रॉडबैंड इंटरनेट एक्सेस प्रदान करने के लिए लो अर्थ ऑर्बिट (एलईओ) उपग्रहों का इस्तेमाल करती है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)